RNI-MPHIN/2018/75526
वर्ष-08 | अंक-287 | पृष्ठ 08 | मूल्य 02/-
दैनिक
# कालप्रिया
सच वही जो दिखे...
भोपाल, शनिवार
25
जुलाई 2026
Email.kalpriyanews72@gmail.com
आषाढ़ शुक्ल पक्ष-11, विक्रम संवत् 2083
पेज-6

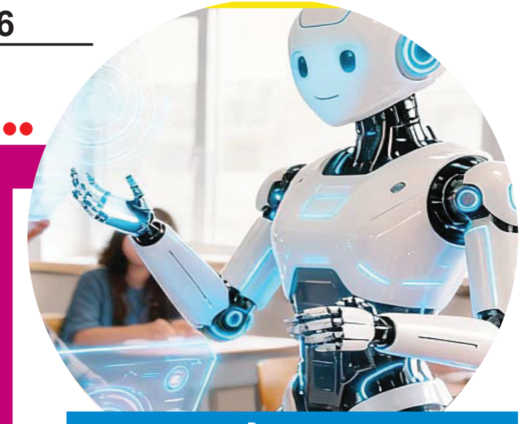

## भोजशाला के पास नमाज की जगह पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

**धार।** एमपी के धार भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद मामले में सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। प्रशासन और मुस्लिम याचिकाकर्ताओं की ओर से नमाज की जगह को लेकर पक्ष रखा गया। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, सरकारी तंत्र और दोनों समुदायों के प्रतिनिधि आपस में बातचीत कर रहे हैं। वे मिलकर एक उपयुक्त स्थान तलाशने की कोशिश कर रहे हैं। कृपया इस मामले की सुनवाई मंगलवार या बुधवार को सूचीबद्ध की जाए। मुस्लिम पक्षकारों की ओर से सीनियर एडवोकेट हुजैफा अहमदी ने कहा-मैंने इस मामले का सबसे पहले बुधवार को उल्लेख किया था और अदालत को बताया था कि हम पहले ही लगातार दो जुमे की नमाज से वंचित रह चुके हैं। बता दें, कोर्ट ने 22 जुलाई को प्रशासन से भोजशाला परिसर के पास ही नमाज के लिए जमीन देने को कहा था।

**अब मंगलवार को होगी सुनवाई; मुस्लिम पक्ष बोला- 2 जुमे की नमाज छूटी**

## सीजेपी बोली

**नई दिल्ली।** कॉकरोच जनता पार्टी और सरकार के बीच शुक्रवार को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में बैठक हुई। इसमें सरकार की तरफ से केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, जितेंद्र सिंह और सीजेपी की तरफ से सौरभ दास, आशुतोष रांका शामिल हुए। बैठक के बाद सीजेपी के प्रवक्ताओं ने कहा,हम धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर कोई समझौता नहीं करेंगे। सरकार ने मुआवजा देने और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज केस वापस लेने पर सहमति जताई है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने बताया, 'दो घंटे की बातचीत में सीजेपी ने सरकार के सामने 3 प्रमुख मांगें और परीक्षा प्रणाली में सुधार के 5 सुझाव रखे हैं। हमनें ने इस पर विचार करने के लिए कल तक का समय मांगा है।'

# प्रधान के इस्तीफे पर सरकार आज जवाब देगी

## सुसाइड करने वाले नीट छात्रों के परिवार को मुआवजा देने और केस वापस लेने को तैयार

**सीजेपी ने सरकार को पत्र सौंपा, तीन मांगे**

सीजेपी ने शुक्रवार को सरकार के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर अपनी मांगों का पत्र सौंपा। पत्र के मुताबिक, उसकी मांगों में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, पीड़ितों को एक-एक करोड़ रुपए का मुआवजा और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ किसी तरह की कानूनी कार्रवाई नहीं करना शामिल है। पत्र में यह भी कहा गया है कि भारत सरकार, रैपिड एक्शन फोर्स के प्रमुख और दिल्ली पुलिस आयुक्त को उन छात्रों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए. सुप्रीम कोर्ट ने सीजेपी पेपर लीक के खिलाफ विरोध कर रहे छात्रों पर पुलिस की ज्यादती के आरोपों वाली दो अलग-अलग याचिकाओं पर 27 जुलाई को सुनवाई करने पर सहमति जताई।

## सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल 27वें दिन खत्म

नीट पेपर लीक के खिलाफ 27 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक ने गुरुवार देर रात अपना अनशन खत्म कर दिया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल पहुंचे, जहां नड्डा ने वांगचुक को जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया। वांगचुक ने शुक्रवार सुबह जारी वीडियो संदेश में कहा कि पिछले दो दिन से सरकार के साथ उनकी लगातार बातचीत चल रही थी। इस दौरान उनकी तीन प्रमुख मांगों पर चर्चा हुई। सरकार की ओर से इन मांगों पर लिखित आश्वासन मिलने के बाद उन्होंने भूख हड़ताल खत्म करने का फैसला लिया। वांगचुक ने कहा, सरकार ने प्रदर्शनकारी छात्रों पर केस दर्ज नहीं करने, पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में जवाबदेही तय करने के मुद्दे पर संसद में चर्चा कराने और आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिजन को उचित मुआवजा देने का आश्वासन दिया। वांगचुक ने बताया कि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर सरकार ने कोई आश्वासन नहीं दिया है। उनके लिए सबसे अहम बात छात्रों पर कार्रवाई रुकवानी थी।

**मुख्यमंत्री ने पन्ना में 184.83 करोड़ रुपए की लागत के विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण**

# युवाओं के लिए मध्यप्रदेश के 4 महानगरों में प्रारंभ होंगे फास्ट ट्रैक कोर्ट : मुख्यमंत्री

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी गौरवशाली संस्कृति और वसुधैव कुटुम्बकम के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए विश्व कल्याण के लिए प्रयास कर रहा है। हमारी संस्कृति में सबके कल्याण और मानवता से प्रेम करने की बात कही गई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने युवाओं के हित में उनकी शिक्षा और रोजगार से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की घोषणा की है। मध्यप्रदेश के चारों महानगरों- भोपाल, जबलपुर, इंदौर और ग्वालियर में इसी प्रकार के फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगले साल पन्ना मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण किया जाएगा। नीट के अभ्यर्थियों को डॉक्टर बनने का अवसर मिलेगा।

### बुंदेलखंड को समृद्ध बनाएंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेलखंड की धरती सर्वश्रेष्ठ है। यह महाराज छत्रसाल, वीर आल्हा-ऊदल की धरती है। सौभाग्यशाली व्यक्ति ही ऐसी पुण्य धरा पर आ सकता है। यहां पन्ना में धरती के नीचे हीरा निकलता है, लेकिन धीरे-धीरे पानी की कमी होती गई। लोगों ने पलायन शुरू कर दिया, जिसे हमारी सरकार ने रोका। अब हमारी सरकार ने बुंदेलखंड की समृद्धि के लिए भारतरत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के संकल्प के अनुसार अंतर्राज्यीय केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की शुरुआत की है।

### दो सांदीपनि विद्यालयों की सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुल 184.83 करोड़ रुपए की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। इन कार्यों में गुन्नौर और पवई के 74 करोड़ रुपए लागत के 2 सांदीपनि विद्यालय शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय देश में सबसे अच्छे विद्यालय हैं। प्रदेश में भव्य सांदीपनि विद्यालय बनाए गए हैं। यह विद्यालय भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता के प्रतीक हैं। सांदीपनि विद्यालयों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और संस्कारों के साथ शिक्षा दी जा रही है।

## अमेरिका ने भारत पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया

**वॉशिंगटन।** अमेरिका ने शुक्रवार से भारत से आयात होने वाले सामान पर 10प्र टैरिफ लागू कर दिया है। यह कार्रवाई ट्रेड एक्ट-1974 की धारा 301 के तहत फोर्स्ड लेबर (जबरन मजदूरी) से बने सामान को लेकर की गई है ।यह फैसला ऐसे दिन लागू हुआ, जब ट्रम्प प्रशासन का 15प्रतिशत अस्थायी ग्लोबल टैरिफ खत्म हो रहा है। यानी पुराना टैरिफ हटते ही उसकी जगह नया स्थायी टैरिफ लागू कर दिया गया। अमेरिका ने 60 देशों पर 10प्र से 12.5प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। इनमें 17 देशों पर 10 प्रतिशत और 43 देशों पर 12.5प्र टैरिफ लगाया गया है। भारत, ब्रिटेन, कनाडा, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, मेक्सिको, पाकिस्तान और श्रीलंका को 10प्रतिशत वाले समूह में रखा गया है। अमेरिका के मुताबिक, इन देशों ने जबरन मजदूरी से बने सामान के आयात पर रोक लगाई है या उस दिशा में कदम उठाए हैं।

**जबरन मजदूरी से बने सामान को लेकर कार्रवाई; पहले के 15 प्रतिशत टैरिफ का आज आखिरी दिन**

**4,294 करोड़ रुपये की योजनाओं को कैबिनेट की मंजूरी**

# आंध्र-कर्नाटक के बीच बनेगा आर्थिक गलियारा

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के बीच एक बेहद महत्वपूर्ण आर्थिक गलियारे के विकास को हरी झंडी दे दी है। इस महत्वाकांक्षी पहल के लिए कुल 4,294 करोड़ रुपये के भारी-भरकम निवेश को मंजूरी मिली है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कैबिनेट के इस फैसले से दोनों राज्यों में बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। वैष्णव ने जानकारी दी कि इस योजना के तहत दो प्रमुख परियोजनाओं पर काम किया जाएगा। पहली परियोजना बल्लारी-गुंटकल के बीच तीसरी और चौथी रेलवे लाइन के निर्माण की है, जिसके लिए 1,264 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। यह रेलवे लाइन माल ढुलाई की क्षमता में बड़ा इजाफा करेगी।

### इन उद्योगों को होगा बड़ा फायदा

यह आर्थिक गलियारा बल्लारी-होसपेट क्षेत्र के स्टील और सीमेंट क्लस्टरों के लिए बेहद मददगार साबित होगा। इससे भारी उद्योगों के कच्चे माल और तैयार उत्पादों का परिवहन काफी तेज और आसान हो जाएगा। इस रेलवे विस्तार से हर साल 1.6 करोड़ टन अतिरिक्त माल ढुलाई संभव हो सकेगी, जिससे व्यापार और वाणिज्य को नई ऊंचाइयां मिलेंगी।

### पर्यावरण पर क्या पड़ेगा असर

यह परियोजना न केवल आर्थिक दृष्टिकोण से बल्कि पर्यावरण के लिहाज से भी एक मिसाल कायम करेगी। इस गलियारे के शुरू होने से हर साल करीब 6.67 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन कम होगा, जो कि लगभग 27 लाख पेड़ लगाने के बराबर पर्यावरण संरक्षण का काम करेगा। व्यापारिक दृष्टि से देखें तो इस आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण प्रति वर्ष 149 करोड़ रुपये की लॉजिस्टिक लागत बचेगी। माल ढुलाई का खर्च घटने से स्थानीय उद्योगों के उत्पादों की बाजार प्रतिस्पर्धात्मकता में भारी सुधार होगा।

### परियोजना से जुड़ी पांच बड़ी बातें

**कुल बजट आवंटन:** आंध्र-कर्नाटक कॉरिडोर के लिए केंद्र सरकार ने 4,294 करोड़ रुपये के कुल निवेश को मंजूरी दी।

**रेलवे लाइन विस्तार :** बल्लारी-गुंटकल मार्ग पर तीसरी और चौथी रेलवे लाइन के लिए 1,264 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

**भव्य रसायन योजना :** औद्योगिक रफ्तार बढ़ाने वाली इस योजना के लिए 3,030 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई है।

**भारी रोजगार सृजन**

निर्माण और परिचालन के दौरान करीब 31 लाख मानव-दिवस का रोजगार उत्पन्न होगा।

**अतिरिक्त माल ढुलाई:** इस गलियारे की मदद से प्रति वर्ष 1.6 करोड़ टन अधिक माल की आवाजाही हो सकेगी।

## लाहौल के कडू नाला में पहाड़ी गिरने से टैक्सी दबी, कुल 13 लोगों की मौत

**नई दिल्ली।** हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया।

उदयपुर-किलाड़ सड़क मार्ग पर कडू नाला के पास अचानक पहाड़ी दरकने से कुल्लू से पांगी जा रही एक टैक्सी टाटा सूमो (एचपी-01एम-2210) मलबे में दब गई। हादसे में कुल 13 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस अधीक्षक लाहौल स्पीति शिवानी मेहला ने इसकी पुष्टि की है। हादसे की सूचना मिलते ही तिंदी पुलिस, स्थानीय प्रशासन और बचाव दल मौके के लिए रवाना हो गए। बचाव अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है।

### सड़क खुलते ही रवाना हुए थे यात्री

जानकारी के अनुसार उदयपुर-किलाड़ सड़क मार्ग एक दिन पहले भूस्खलन के कारण बंद था। इसी वजह से टैक्सी में सवार सभी यात्री तिंदी में रुके हुए थे। शुक्रवार को सड़क बहाल होने के बाद वाहन पांगी की ओर रवाना हुआ, लेकिन कडू नाला के पास अचानक पहाड़ी का बड़ा हिस्सा भरभराकर गिर पड़ा और टैक्सी उसकी चपेट में आ गई।

### एक घायल को निकाला गया

अब तक बचाव दल ने मलबे से एक व्यक्ति को घायल अवस्था में बाहर निकाल लिया है। घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। अन्य यात्रियों की तलाश जारी है और मलबा हटाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

**देशभर में मानसून का कहर**

## असम में बाढ़ से 47 मौतें, गुजरात-जम्मू-कश्मीर में भी हालात गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के कई हिस्सों में मानसूनी बारिश का कहर लगातार जारी है। सबसे गंभीर स्थिति असम में है, जहां बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 47 हो गई है। पिछले 24 घंटों में छह और लोगों की जान गई है। वहीं, बाढ़ से प्रभावित लोगों की संख्या बढ़कर 7.21 लाख से अधिक हो गई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, राज्य के 11 जिलों के 37 राजस्व सर्किलों और 883 गांवों में बाढ़ का असर है। लगातार हो रही बारिश के कारण कई प्रमुख नदियां अब भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं और हालात और बिगड़ने की आशंका बनी हुई है। राज्य में 103 राहत शिविरों में 24,124 विस्थापित लोगों को आश्रय दिया गया है, जबकि 255 राहत वितरण केंद्र भी संचालित किए जा रहे हैं। सेना, वायुसेना, एनडीआरएफ और अन्य एजेंसियां राहत एवं बचाव अभियान में जुटी हैं।

### कौन से जिले बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं?

एएसडीएमए के अनुसार, सबसे अधिक प्रभावित शिवसागर जिला है, जहां करीब 3.75 लाख लोग बाढ़ की चपेट में हैं। इसके बाद चराइदेव में 1.86 लाख और जोरहाट में 1.15 लाख लोग प्रभावित हैं। गोलाघाट, होजाई, कामरूप, डिब्रूगढ़, नगांव, कामरूप , कार्बी आंगलोंग और तिनसुकिया समेत कुल 11 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं।

## सरकारी जमीन पर कमर्शियल कॉम्पलेक्स, जेसीबी से तोड़ा

**भोपाल।** भोपाल के नीलबड़ और मुंडला में शुक्रवार को जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। नीलबड़ में सरकारी जमीन पर कमर्शियल कॉम्पलेक्स बना दिया गया था। जिसे जेसीबी की मदद से तोड़ दिया। हुजूर एसडीएम विनोद सोनकिया की मौजूदगी में यह कार्रवाई हुई। एसडीएम सोनकिया ने बताया कि कृष्णकांत शुक्ला ने ग्राम नीलबड़ स्थित मरघट की शासकीय जमीन पर 0.081 हेक्टेयर जमीन पर कमर्शियल कॉम्पलेक्स बना रखा था। इसमें कुल 20 दुकानें थी। शुक्रवार को बेदखली की कार्रवाई की गई।

**रिश्तों की नई सोच**

**इसमें युवाओं को शांति, गहराई और भावनात्मक जुड़ाव महसूस होता है...**

# जेन-जी का नया डेटिंग ट्रेंड बन रहा है ग्रेवयार्ड डेटिंग

**नई दिल्ली (एजेंसी)**

जेनरेशन जी बचपन से ही स्मार्टफोन, सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेम्स और इंटरनेट का इस्तेमाल करती आ रही है, जिसके चलते यह पीढ़ी नई तकनीकों को बहुत तेजी से अपनाती है। जेनरेशन जी अपनी सोच, पसंद और व्यक्तित्व को खुलकर व्यक्त करना पसंद करती है। फैशन, करियर, रिश्तों और लाइफस्टाइल में नियमों की बजाय अपनी पसंद को ज्यादा महत्व देती है। अगर रिश्तों की बात करें तो हमारे-आपके सोच से जेनरेशन जी के विचार काफी अलग है।

आज कई ऐसे शब्द और तरीके हैं जो जैन जी के बीच काफी लोकप्रिय हैं, जिसमें से एक ग्रेवयार्ड डेटिंग है। इसे युवाओं के बीच उभर रहे सबसे अलग और असामान्य रिलेशनशिप ट्रेंड्स में से एक माना जा रहा है। मुंबई स्थित सेंटियर वेलनेस की मनोवैज्ञानिक डॉ. रिम्पा सरकार के अनुसार यह ट्रेंड सिर्फ अकेलेपन के डर से जुड़ा नहीं है। उनका कहना है कि जेनरेशन जी उन विषयों पर भी खुलकर बात करती है, जिन्हें पहले की पीढ़ियां वर्जित मानती थीं। इनमें मौत, भावनात्मक खालीपन और जीवन के गहरे सवाल भी शामिल हैं। इसके आगे वह कहती हैं कि ग्रेवयार्ड डेटिंग कुछ लोगों के लिए ऐसी जगहों पर अपने साथी के साथ समय बिताने का तरीका है, जहां शांति, गहराई और भावनात्मक जुड़ाव महसूस होता है। वहीं कुछ लोग इसे पारंपरिक डेटिंग संस्कृति के खिलाफ एक अलग तरह का अनुभव मानते हैं।

### क्या है ग्रेवयार्ड डेटिंग

**ग्रेवयार्ड** का हिंदी में मतलब होता है कब्रिस्तान। आसान शब्दों में समझें तो ग्रेवयार्ड डेटिंग में कपल्स किसी कैफे, रेस्टोरेंट या पार्क की बजाय कब्रिस्तान में जाकर समय बिताते हैं, ताकि वे एक-दूसरे के साथ बेहतर भावनात्मक जुड़ा महसूस कर सकें। आज की जैन जी साधारण डेटिंग की बजाए अपने रिश्तों में नए अनुभवों की तलाश में नए-नए तरीके अपना रही है और उन्हीं में से एक ग्रेवयार्ड डेटिंग भी है।

### ग्रेवयार्ड डेटिंग के संकेत

- रिश्ते में होने के बावजूद खुद को भावनात्मक रूप से अकेला महसूस करना।
- साथी से हमेशा भावनात्मक सहयोग या आश्वासन मिलने का इंतजार करना।
- पार्टनर के बार-बार भावनात्मक रूप से दूर रहने या अस्थिर व्यवहार को नजरअंदाज करना।
- रिश्ते में खुशी से ज्यादा मानसिक और भावनात्मक थकान महसूस होना।
- भावनात्मक दर्द या उलझन को ही सच्चा प्यार या गहरा जुड़ाव समझ लेना।
- यह समझने के बावजूद कि रिश्ता स्वस्थ नहीं है, उसे छोड़ने की कल्पना भी न कर पाना।
- रिश्ते के कारण आत्मविश्वास और भावनात्मक संतुलन खोने लगना।

## संक्षिप्त समाचार

### बोनान्ज़ा की अवंतिका का शार्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग में चयन

**सतना।** बोनान्ज़ा का.हा.से. स्कूल की कक्षा 11वीं की छात्रा अवंतिका सिंह का अंतराष्ट्रीय एशियनओपन शार्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग ट्राफी 2026 के लिए भारतीय टीम में चयन हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर दिलीप अरोरा, चेयरमैन गौरव अरोरा, प्राचार्या रश्मि श्रीवास्तव एवं समस्त विद्यालय परिवार ने छात्रा अवन्तिका सिंह व उस के माता-पिता को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाऐ दी व साथ ही कहाकि अवन्तिका की यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्पद है। इस उपलब्धि में उनके हेडकोच वैभव अग्रवाल व विशेषिता सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके प्रशिक्षण व मार्ग दर्शन से अवंतिका ने कई राष्ट्रीय स्तर पर स्केटिंग प्रतियोगिता अपने नाम किया है। अवंतिका को विद्यालय प्रांगण में सम्मानित व पुरस्कृत किया गया।

### लायन डॉ. हेमन्त डेनियल एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित

**सतना।** इंटरनेशनल लायंस क्लब के अंतर्गत लायंस क्लब सतना से पूर्व डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन लायन डॉ.हेमन्त कुमार डेनियल को होटल इंटरसिटी बिलासपुर में आयोजित जिला अवार्ड सेरेमनी में निवर्तमान डिस्ट्रिक्ट गवर्नर द्वारा सम्पूर्ण डिस्ट्रिक्ट 3233सी में प्राप्त विषय 'लॉन्ग रेंज प्लानिंग' पर महत्वपूर्ण कार्य करने पर केबिनेट मेम्बर 'एक्सीलेंस अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया।

# मानव तस्करी की आशंका पर ट्रेनों की जांच, निकले मदरसे के छात्र

### सतना जीआरपी की तहकीकात के चलते 10 मिनट स्टेशन में खड़ी रही ट्रेन

नगर संवाददाता, सतना।

मानव तस्करी की आशंका के चलते गुरुवार सुबह सतना रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर नजर आईं। जीआरपी कंट्रोल रूम से मिले अलर्ट के बाद दरभंगा से अहमदाबाद जा रही ट्रेन के सतना पहुंचते ही रेलवे सुरक्षा बल और जीआरपी की संयुक्त टीम ने सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान ट्रेन को करीब 10 मिनट तक प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर रोककर कई कोचों की बारीकी से तलाशी ली गई। कंट्रोल रूम से मानव तस्करी की आशंका संबंधी सूचना मिलते ही आरपीएफ और जीआरपी की टीम सक्रिय हो गई। ट्रेन के स्टेशन पर पहुंचते ही 4 से 5 कोचों की गहन जांच की गई। पुलिस ने यात्रियों से पूछताछ की और संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी।

**नाबालिग बच्चों से पूछताछ-** जांच के दौरान पुलिस को ट्रेन में कई नाबालिग बच्चे मिले। कुछ बच्चे अपने अभिभावकों के साथ यात्रा कर रहे थे, जबकि कुछ अकेले सफर कर रहे थे। पुलिस ने सभी बच्चों से पूछताछ की, उनके साथ मौजूद लोगों की जानकारी ली और परिजनों के मोबाइल नंबर पर संपर्क कर यात्रा संबंधी जानकारी का सत्यापन किया। पूछताछ और दस्तावेजों के सत्यापन में सामने आया कि सभी बच्चे छुट्टियां बिताने के बाद अहमदाबाद स्थित मदरसे में पढ़ाई के लिए लौट रहे थे। पहचान और दस्तावेज पूरी तरह सही पाए जाने के बाद स्पष्ट हो गया कि मामला मानव तस्करी से जुड़ा नहीं है।

#### वरिष्ठ अधिकारियों को भेजी गई रिपोर्ट

जांच पूरी होने के बाद ट्रेन को उसके निर्धारित गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया। जीआरपी थाना प्रभारी राजेश राज ने बताया कि कंट्रोल रूम से मिले अलर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की गई थी। सभी बच्चों और उनके साथ यात्रा कर रहे लोगों के दस्तावेजों एवं पहचान का सत्यापन कर लिया गया है। जांच में कोई संदिग्ध गतिविधि या मानव तस्करी से जुड़े तथ्य सामने नहीं आए। कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दी गई है।

### नीट पेपर मामले पर सरकार चर्चा को तैयार, कांग्रेस पैदा कर रही गतिरोध : सांसद

**सतना।** संसद के मानसून सत्र के दौरान गुरुवार को संसद भवन के मकर द्वार पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सांसदों ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान सतना सांसद गणेश सिंह सहित कई सांसदों ने विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस पर संसद की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया। सांसद गणेश सिंह द्वारा जारी बयान में कहा कि केंद्र सरकार नीट पेपर लीक प्रकरण सहित सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर संसद में चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन विपक्ष जानबूझकर सदन की कार्यवाही नहीं चलने दे रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस छात्रों और युवाओं की भावनाओं का राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रही है तथा बच्चों को मुद्दा बनाकर अनावश्यक गतिरोध पैदा कर रही है। सांसद गणेश सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार ने पेपर लीक जैसी घटनाओं को गंभीरता से लिया है और दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

## नवनियुक्त एल्डरमैन निधि गोपाल का चौक बाजार के व्यापारियों ने किया सम्मान

नगर संवाददाता, सतना।

चौक बाजार सतना में नवनियुक्त एल्डरमैन निधि गोपाल गुप्ता का 23 जुलाई गुरुवार को सायंकाल यहां के व्यापारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए समारोह पूर्वक सम्मानित किया। इस अवसर पर नव नियुक्त एंडरमैन श्री गुप्ता का माल्यार्पण कर शाल ओढ़ाकर श्रीफल तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी पुरुषोत्तम अग्रवाल ने की एवं अतिथियों के रूप में एडवोकेट संजय जैन, उमेश ताम्रकार (उचेहरा), पंडित अनिल मिश्रा, संदीप जैन, धर्मेंद्र अग्रवाल आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस अवसर पर व्यापारियों ने एल्डरमेंन निधि गोपाल गुप्ता से आशा व्यक्त किया कि वे शहर के विकास में निष्पक्ष रूप से पूरे मनोयोग से सेवा कर अपनी अमिट छाप छोड़ेंगे। सम्मान हेतु सभी का आभार करते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि आप सभी के सहयोग एवं आशीर्वाद से मुझे एल्डरमैन का पद मिला है, सतना शहर एवं जनता के हित में जो भी होगा उसमें मैं तन, मन, धन से पूरी तरह समर्पित रहूंगा और सदैव आप लोगों के सुझाव एवं आशीर्वाद का आकांक्षी रहूंगा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के पश्चात स्वल्पाहार से हुआ।

# मैहर के भदनपुर माध्यमिक शाला से छुट्टी के बाद हुई घटना, वीडियो आया सामने

### पानी में बहा छात्र, ग्रामीणों की सतर्कता से बची जान

नगर संवाददाता, सतना।

जिले के माध्यमिक शाला भदनपुर से छुट्टी के बाद हुई एक घटना का दिल दहला देने वाला वीडियो सामने आया है। लगातार बारिश के कारण जलमग्न सड़क पार करते समय पहली कक्षा में पढ़ने वाला एक छात्र तेज बहाव में बह गया। हालांकि ग्रामीणों की तत्परता से बच्चे की जान बच गई और बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार विद्यालय की छुट्टी होने के बाद छात्र अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान स्कूल के पास बारिश का पानी सड़क पर भर गया था और पानी का बहाव काफी तेज था। सड़क पार करते समय मासूम का संतुलन बिगड़ गया और वह पानी में गिरकर बहाव के साथ ढोला में चला गया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने बच्चे को बहते देख तत्काल दौड़कर उसे बाहर निकाला। समय रहते किए गए इस प्रयास से बच्चे को सुरक्षित बचा लिया गया।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में जलभराव और तेज बहाव के बीच बच्चे के बहने तथा ग्रामीणों द्वारा उसे बचाने का दृश्य दिखाई दे रहा है। घटना ने स्कूलों के आसपास जलभराव और विद्यार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस संबंध में जब विकासखंड स्रोत समन्वयक (बीआरसी) आनंद शुक्ला से बात की गई तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस घटना की जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि मामले की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने मांग की है कि बारिश के मौसम में जलभराव वाले मार्गों पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जाएं और स्कूलों के आसपास जोखिम वाले स्थानों की निगरानी बढ़ाई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

## ददुआ के महिमामंडन पर मचा बवाल, भाजपा नेताओं की सोशल मीडिया पोस्ट से विवाद

### 'दस्यु हृदय सम्राट' और 'पुण्यात्मा' लिखकर दी श्रद्धांजलि; कांग्रेस ने साधा निशाना, भाजपा ने कहा- जवाब तलब करेंगे

नगर संवाददाता, सतना।

सतना जिले में भाजपा के कुछ नेताओं द्वारा कुख्यात डकैत शिवकुमार कुर्मी उर्फ ददुआ को सोशल मीडिया पर 'दस्यु हृदय सम्राट' और 'पुण्यात्मा' बताते हुए श्रद्धांजलि देने के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। वायरल पोस्ट में रामपुर बघेलान जनपद अध्यक्ष रावेंद्र सिंह पटेल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष गीतेश्वर सिंह पटेल, पूर्व मंत्री रामखेलावन पटेल के भाई विजय पटेल तथा जिला मंत्री वसुंधरा सिंह के चाचा सिद्धार्थ सिंह पटेल सहित कई नेताओं के नाम सामने आए हैं। ददुआ बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में लंबे समय तक आतंक का पर्याय रहा। उसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण, लूट और रंगदारी सहित 200 से अधिक गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके गिरोह पर कई पुलिस मुखबिरों और आम नागरिकों की निर्मम हत्या के भी आरोप रहे हैं।

#### सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं

वायरल पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई यूजर्स ने सवाल उठाया कि यदि ददुआ का जीवन %संघर्ष% का प्रतीक था, तो क्या उसकी लूट, हत्याएं और आतंक भी संघर्ष का हिस्सा माने जाएंगे? कुछ लोगों ने यह भी टिप्पणी की कि यदि भाजपा नेता उसे इतना सम्मान देते हैं, तो उसकी पुण्यतिथि पार्टी कार्यालय में भी मनानी चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम ने जिले की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। आदर्श और सिद्धांतों की राजनीति का दावा करने वाली भाजपा के कुछ नेताओं द्वारा एक कुख्यात डकैत का सार्वजनिक महिमामंडन विपक्ष और आम जनता के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

#### कांग्रेस विधायक ने साधा निशाना

कांग्रेस विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा 'डब्बू' ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसे लोग जातिवाद की राजनीति करते हैं और उनकी विचारधारा स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अहिंसा की विचारधारा में विश्वास करती है और हिंसा का पर्याय रहे किसी व्यक्ति का समर्थन या महिमामंडन कभी नहीं करेगी। उनका कहना था कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी रही हों, हथियार उठाने वाले व्यक्ति का महिमामंडन किसी भी स्थिति में उचित नहीं है।

#### भाजपा जिलाध्यक्ष बोले- नोटिस जारी होगा

भाजपा जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पांडेय ने मामले का संज्ञान लेते हुए कहा कि किसी भी पार्टी पदाधिकारी या कार्यकर्ता द्वारा पूर्व में कुख्यात डकैत रहे व्यक्ति के लिए इस प्रकार की शब्दावली का प्रयोग करना निंदनीय है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने ऐसी पोस्ट साझा की हैं, उन्हें नोटिस जारी कर जवाब तलब किया जाएगा। पार्टी इस मामले को गंभीरता से ले रही है।

## संगठन विस्तार को नई गति, वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश ने की महत्वपूर्ण नियुक्तियां

नगर संवाददाता, सतना।

वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से संगठन विस्तार के तहत जिला सतना में महत्वपूर्ण नियुक्तियां की गई हैं। यह नियुक्तियां माननीय प्रदेश अध्यक्ष श्री सुधीर अग्रवाल के मार्गदर्शन, प्रदेश महामंत्री एवं संभाग प्रभारी श्री अतुल जैन, संभागीय अध्यक्ष श्री लखन केसरवानी के निर्देश तथा जिला अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल (चांदी) की अनुशंसा पर घोषित की गई हैं। जारी नियुक्ति आदेश के अनुसार श्री राजीव गुप्ता (केसरी ट्रेडर्स, पन्नीलाल चौक, सतना) को जिला प्रभारी तथा श्री संजय गुप्ता (माधवगढ़, सतना) को नगर अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है।

संगठन ने स्पष्ट किया है कि इन नियुक्तियों का उद्देश्य केवल पद वितरण नहीं, बल्कि वैश्य महासम्मेलन को बूथ, वार्ड, ग्राम पंचायत एवं नगर स्तर तक मजबूत संगठन के रूप में स्थापित करना है। नवनियुक्त पदाधिकारियों को समाज के सभी वर्गों को जोड़ते हुए संगठन की विचारधारा एवं सेवा कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्रदेश नेतृत्व ने अपेक्षा व्यक्त की है कि दोनों पदाधिकारी अपने सहयोगियों के साथ नियमित प्रवास, सदस्यता अभियान, संगठन विस्तार तथा समाजहित के कार्यक्रमों का संचालन करेंगे। साथ ही कार्यों का समुचित विभाजन कर नई टीमों का गठन करते हुए संगठन को अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाएंगे। नियुक्तियों पर वैश्य महासम्मेलन के पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मजबूत संगठन ही समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने विश्वास जताया कि श्री राजीव गुप्ता एवं श्री संजय गुप्ता के पद में आने से जिला सतना में वैश्य महासम्मेलन का संगठनात्मक विस्तार तेज होगा, समाज की एकजुटता और मजबूत होगी तथा सेवा, समर्पण एवं सामाजिक उत्थान के कार्यों को नई दिशा और गति मिलेगी।

### प्रोजेक्ट के तहत आयोजित 14 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

# मैहर की पहचान बनेगा डॉल्स प्रोजेक्ट

नगर संवाददाता, सतना।

कलेक्टर विदिशा मुखर्जी के मार्गदर्शन मे जिले में महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। कलेक्टर श्रीमती विदिशा मुखर्जी के निर्देशानुसार बोस कॉलोनी रेलवे स्टेशन स्थित इंडियन बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में मैहर डॉल प्रोजेक्ट के तहत आयोजित 14 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से आई स्वयं सहायता समूह की 35 महिलाओं ने निःशुल्क सॉफ्ट टॉयज एवं डॉल्स बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त किया और भविष्य में स्वयं का रोजगार स्थापित करने का संकल्प लिया। समापन कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ श्री शैलेंद्र सिंह एवं डीपीएम एन आर एल एम डॉ .गौरव शर्मा की गरिमामय उपस्थिति रही। इस दौरान सभी अतिथियों ने प्रशिक्षणार्थी महिलाओं को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ शैलेंद्र सिंह ने कहा कि आज देश भर में बहनों को स्वावलंबी बनाने और स्वयं का व्यापार-व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिसके चलते भारत के साथ-साथ मध्य प्रदेश में भी लाखों बहनें अपना उद्योग लगाकर लखपति बहन बन रही हैं। उन्होंने कहा कि मैहर में तैयार हो रहे सॉफ्ट टॉय और टेडी बियर जैसे खिलौने आज बाजार की रौनक बने हुए हैं, जिन्हें बेचकर अच्छा मुनाफा भी कमाया जा सकता है। इसी क्रम में कम से कम लागत में इन उत्पादों को बनाने के तरीकों पर प्रशिक्षित संस्थान द्वारा महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

#### क्या है मैहर डॉल प्रोजेक्ट

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान मैहर द्वारा संचालित इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को सॉफ्ट टॉयज एवं डॉल्स निर्माण का तकनीकी प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ना है, ताकि वे बाजार की मांग के अनुरूप कम लागत में उत्पाद तैयार कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।

#### इनकी रही उपस्थिति

जिला पंचायत सीईओ शैलेंद्र सिंह, डॉ.गौरव शर्मा, रवि रंजन रवि, अवधेश सिंह, अमित शुक्ला, मनीष कुमार नामदेव, सुश्री शुभांगी ताम्रकार, हिमांशु त्रिपाठी, अतुल नामदेव आदि मौजूद रहे।

### लिटिल फ्लावर स्कूल में स्काउट एवं गाइड ने किया पौधरोपण

**सतना।** लिटिल फ्लावर स्कूल में भारत स्काउट एवं गाइड के बच्चों द्वारा एक भव्य पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष विजय तिवारी, भारत स्काउट एंड गाइड के जिला अध्यक्ष शिवम अग्निहोत्री एवं एएसओसी विश्वनाथ मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने पौधे लगाकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को संदेश देते हुए वक्ताओं ने कहा कि केवल पौधे लगाना ही काफी नहीं है, बल्कि उन्हें सुरक्षित रखकर एक पेड़ के रूप में जीवित रखना और देखभाल करना हमारी असली जिम्मेदारी है। स्कूल के डायरेक्टर सिद्धार्थ पांडे और प्राचार्य श्रीमती नीता लहरी ने सभी आए हुए अतिथियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए स्काउट टीचर संतोष सेन, गाइड टीचरों और स्कूल के समस्त स्टाफ का विशेष धन्यवाद किया गया।

### [ कीर्तिमान ] 30 से अधिक राष्ट्रीय व बहुराष्ट्रीय कंपनियां कैंपस पहुंचीं

## एकेएस के 164 से अधिक विद्यार्थियों को देश की नामी कंपनियों में मिली नौकरी

नगर संवाददाता, सतना।

विंध्य अंचल में तकनीकी शिक्षा को रोजगार से जोड़ने की दिशा में एकेएस विश्वविद्यालय ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विश्वविद्यालय के वर्ष 2026 के बी.टेक. एवं डिप्लोमा (मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) के विद्यार्थियों ने 100 प्रतिशत कैंपस प्लेसमेंट हासिल कर विश्वविद्यालय को नई पहचान दिलाई है। इस वर्ष 164 से अधिक विद्यार्थियों का चयन देश की प्रतिष्ठित औद्योगिक, ऊर्जा, सीमेंट, खनन, विनिर्माण एवं अवसंरचना क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों में हुआ है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की उद्योगोन्मुखी शिक्षा, व्यावहारिक प्रशिक्षण, तकनीकी दक्षता और कौशल विकास आधारित शिक्षण व्यवस्था की सफलता का प्रमाण मानी जा रही है।

वर्ष 2026 के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में 30 से अधिक राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने कैंपस भर्ती अभियान चलाया। चयनित विद्यार्थियों को जेके सीमेंट लिमिटेड, जेएमएस माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड, स्टार सीमेंट लिमिटेड, एसके खेतान, ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, इंदु प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, सोर्सप्रो इन्फोटेक, चंद्रपुर वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड, लीप इन्फ्रासिस प्राइवेट लिमिटेड, मां कुदरगढ़ी ग्रुप, अडानी कोल, अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, ग्रियू एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, जीई एयरोस्पेस, ग्लोबल एल्युमिनियम प्राइवेट लिमिटेड, टाफे मोटर्स एंड ट्रैक्टर्स लिमिटेड, मिकुनी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड तथा कॉस्टर इंडिया पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी एवं डिप्लोमा इंजीनियर ट्रेनी पदों पर नियुक्ति मिली है।

प्लेसमेंट में बी.टेक. विद्यार्थियों को अधिकतम 6.10 लाख रुपये, औसत 4.20 लाख रुपये तथा न्यूनतम 3 लाख रुपये वार्षिक का पैकेज मिला। वहीं डिप्लोमा विद्यार्थियों को अधिकतम 4.50 लाख रुपये, औसत 3.30 लाख रुपये तथा न्यूनतम 3 लाख रुपये वार्षिक का पैकेज प्राप्त हुआ। सबसे अधिक चयन मिकुनी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने 41 विद्यार्थियों का किया। इसके बाद टाफे मोटर्स एंड ट्रैक्टर्स लिमिटेड ने 30, ग्रियू एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड ने 20, अडानी कोल ने 14 तथा जेएमएस माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड ने 13 विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर प्रदान किए। सर्वाधिक 6.10 लाख रुपये वार्षिक का पैकेज जेके सीमेंट लिमिटेड ने दिया।

इस शानदार उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर इंजीनियर अनंत कुमार सोनी, कुलपति प्रो.बी.ए. चोपड़े, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के प्रमुख बालेंद्र विश्वकर्मा, प्रफुल्ल गौतम एवं मनोज सिंह ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस सफलता के लिए विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों तथा प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ की पूरी टीम को भी बधाई दी।

# आबादी में घुसा तेंदुआ, बाड़े में बंधी 8 बकरियों का किया शिकार

नगर संवाददाता, सतना।

जिले के चित्रकूट वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम सांडा में बुधवार देर रात एक तेंदुआ आबादी क्षेत्र में घुस आया और एक मवेशी बाड़े में बंधी आठ बकरियों को मार डाला। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से ग्रामीणों में भय का माहौल है। पिछले एक माह में आबादी क्षेत्र में जंगली जानवरों के हमले की यह तीसरी बड़ी वारदात बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार ग्राम सांडा निवासी दद्दू उर्फ जवाहर लाल यादव के बाड़े में रात के समय बकरियां बंधी थीं। देर रात तेंदुआ बाड़े में घुस गया और एक-एक कर सभी आठ बकरियों का शिकार कर गया। सुबह जब परिवार के लोग बाड़े में पहुंचे तो बकरियां मृत अवस्था में मिलीं।

घटना की खबर फैलते ही पूरे गांव में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। सूचना मिलने पर रेंजर अभिषेक मिश्रा के नेतृत्व में वन विभाग की टीम गांव पहुंची। वन अमले ने घटनास्थल का निरीक्षण किया जहां तेंदुए के पंजों के निशान और शिकार के स्पष्ट संकेत मिले। प्रारंभिक जांच में वन विभाग ने तेंदुए के हमले की पुष्टि की है। वन विभाग ने मृत पशुओं के पोस्टमार्टम के लिए पशु चिकित्सा विभाग को सूचना दी है। रेंजर अभिषेक मिश्रा ने बताया कि शासन के प्रावधानों के अनुसार प्रभावित पशुपालक को निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद मुआवजा प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 9 जुलाई की रात कोठी वन क्षेत्र के शिवसागर गांव में तथा उसके बाद मौहार गांव में भी तेंदुए ने बाड़ों में घुसकर भेड़-बकरियों का शिकार किया था। लगातार बढ़ती तेंदुए की आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। लोगों ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए रात में गश्त बढ़ाने, तेंदुए की निगरानी करने और आबादी क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

## संक्षिप्त समाचार

### यौन उत्पीड़न पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रीवा। 23 जुलाई को कॉलेज ऑफ़ एग्रीकल्चर रीवा में लड़कियों के लिए यौन उत्पीड़न के बारे में एक दिन का जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मकसद संस्थान में यौन उत्पीड़न से जुड़ी कानूनी जानकारी, सुरक्षा के व्यावहारिक तरीके और मानसिक रूप से मज़बूत बनाना था। डीन डॉ. एस.के. त्रिपाठी ने लड़कियों को बचाव के व्यावहारिक तरीकों और गलत व्यवहार के खिलाफ आवाज़ उठाने का आत्मविश्वास देने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। राष्ट्रीय सेवा योजना के इंचार्ज डॉ. मनीषा द्विवेदी ने शारीरिक, मौखिक और डिजिटल उत्पीड़न की पहचान करने के बारे में जानकारी देने के लिए एक प्रेजेंटेशन दिया।

### 27वें कारगिल विजय दिवस को लेकर हुई तैयारी बैठक

रीवा। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला रीवा की तैयारी बैठक आयोजित हुई। बैठक मे प्रदेश संरक्षक पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी और संगठन के राष्ट्रीय सचिव सार्जेंट रमेश पाण्डेय विशेष रूप से उपस्थित रहे थे। राष्ट्रीय सचिव ने बताया कि सभी प्रांतों के अतिथियों के आने की सूचना मिल चुकी है जिनमें प्रमुख रूप से दिल्ली से राष्ट्रीय अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल विष्णु कान्त चतुर्वेदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एयर वाइस मार्शल एचपी सिंह, पालक अधिकारी प्रदीप जोशी, उत्तर, व मध्य क्षेत्र संगठन प्रचार सुरेन्द्र , प्रदेश अध्यक्ष मेजर जनरल तेज पाल सिंह रावत, मध्य भारत के अध्यक्ष ब्रिगेडियर एसवी सिंह, कर्नल एचपी द्विवेदी, मालवा प्रांत के अध्यक्ष विंग कमांडर डीपी तिवारी, कर्नल शर्मा , महाकौशल प्रांत के अध्यक्ष मेजर जनरल निश्चय राऊत , कर्नल सी के निगम, सुबेदार बीपी तिवारी, छत्तीसगढ़ प्रांत से सुब्रत साहा, सूरज यादव सैन्य मातृशक्ति की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती माया कौल, छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती श्यामा साहू महाकौशल से श्रीमती नीलू रावत, इंदौर से श्रीमती कुसुम अहिरवाल, साथ ही सभी प्रांतो के जिलों से लगभग 150 प्रतिनिधि रीवा पहुंच रहे हैं। कारगिल विजय दिवस समारोह के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, सांसद जनार्दन मिश्रा, पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी और अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारी रहेंगे।

### जिला अभिभाषक संघ ने शोक सभा आयोजित की

रीवा। जिला अभिभाषक संघ रीवा के वरिष्ठ अधिवक्ता सत्य नारायण गुप्ता का आकस्मिक निधन हो गया है। जिस पर शोकसभा का अयोजन 23 जुलाई 2026 को दोपहर 2 बजे अधिवक्ता संघ सभागार में किया गया एवं 2 मिनट का मौन रखा गया। शोक सभा में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश माननीय राकेश मोहन प्रधान, व अपर जिला न्यायाधीश सुधीर सिंह राठौड़ एवं रजिस्ट्रार पन्ना नागेश , श्रम न्यायालय के पीठासीन अधिकारी व संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र पाण्डेय उपाध्यक्ष कमलेश्वर प्रसाद तिवारी सचिव सुलभ पाण्डेय सह सचिव अनिल तिवारी कोषाध्यक्ष नीलम चतुर्वेदी ग्रंथपाल राममणि मिश्रा कार्यकारणी सदस्य अनुराधा सोनी अनामिका ओझा प्रसिद्ध कुमार द्विवेदी पूनम पटेल प्रीती सोधिया सिद्धार्थ सिंह अजीत द्विवेदी एवं अधिवक्ता संतोष अवधिया, रामू सोधिया उपस्थित रहे।

सड़क पटरी पर चल रही थी दुकानें

# सांई मंदिर, सब्जी मंडी, अस्पताल चौराहा सहित अमहिया रोड से हटाया गया अतिक्रमण

नगर संवाददाता ■ रीवा

गुरुवार को नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग, अतिक्रमण दल एवं निर्माण विभाग द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए जोन क्रमांक 1, वार्ड क्रमांक 3 आदिवासी बस्ती में जल भराव की समस्या के निदान को लेकर जल निकासी हेतु रोड किनारे बाड़ा बनाकर किए गए अतिक्रमण को हटाते हुए जेसीबी मशीन से कच्ची नाली का निर्माण कराकर जल निकासी की व्यवस्था बनाई गई । इसके अलावा अतिक्रमण टीम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक कार्रवाई करते हुए सड़क एवं सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमणमुक्त कराया गया। इस दौरान इको पार्क के सामने टीन शेड एवं तिरपाल लगाकर लोगों द्वारा सड़क पटरी पर अतिक्रमण किया जा रहा था, जिससे आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रहा था। इस पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। साथ ही संबंधित व्यक्तियों को समझाइश दी गई कि पुनः किसी भी प्रकार का अतिक्रमण पाए जाने पर नियमानुसार कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त गंगानगर मोहल्ले से लेकर जिला पंचायत के मुख्य द्वार तक रोड पटरी पर अतिक्रमण किया जा रहा था, जिसे नगर निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए रोड पटरी को अतिक्रमणमुक्त कराया तथा यातायात सुचारु कराया। इसी प्रकार साई मंदिर के पास, सब्जी मंडी रोड एवं अस्पताल चौराहे से लेकर अमहिया रोड बिहारी होटल तक दुकानदारों द्वारा दुकान के बाहर दुकान का संचालन किया जा रहा था, जिसे हटाने की कार्यवाही की गई एवं संबंधित लोगों को समझाइश दी गई कि पुनः किसी प्रकार का अतिक्रमण पाए जाने पर चालानी के साथ जब्ती की कार्यवाही की जाएगी।

### खम्भों में लटक रहे अवैध होर्डिंग, पोस्टर, बैनर निकाले गये

निगम टीम ने अवैध होर्डिंग, पोस्टर एवं बैनर लगाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए नगर निगम की टीम द्वारा जय स्तंभ के आसपास विद्युत पोलों पर लगे अवैध पोस्टर एवं बैनर हटाए गए। नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे सार्वजनिक स्थलों एवं सड़कों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें तथा शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने में निगम प्रशासन का सहयोग करें। इस दौरान उपयंत्री श्याम सुंदर मिश्रा, अतिक्रमण प्रभारी राजेश चतुर्वेदी, रावेन्द्र शुक्ला, सुखेन्द्र चतुर्वेदी, स्वच्छता निरीक्षक प्रकाश शर्मा, अतिक्रमण सहायक ज्ञानेंद्र द्विवेदी सहित नगर निगम का अतिक्रमण अमला उपस्थित रहा।

# गीतांजलि पब्लिक स्कूल में मनाया गया उत्कृष्टता सम्मान समारोह

नगर संवाददाता ■ रीवा

23 जुलाई को गीतांजलि पब्लिक स्कूल में प्रदेश स्तर पर प्रवीण्य सूची के मेधावियों का अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी एवं विद्यालय संस्थापक शिवप्रसाद प्रधान एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती अरुणा प्रधान रहीं। शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी के वरिष्ठ विक्रय अधिकारी प्रतिनिधि प्रेमवीर सिंह एवं हरिशंकर त्यागी द्वारा सभी मुख्य अतिथियों का माल्यार्पण एवं पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। माध्यमिक शिक्षा मंडल मप्र भोपाल कक्षा 12वीं परीक्षा सत्र 2026 में प्रदेश में पॉचवां स्थान पाने वाले छात्र प्रकाश तिवारी को बैच, प्रमाणपत्र, बैग एवं 5100 रूपये की सम्मानित राशि उपहार स्वरूप प्रदान की गई। सभी शिक्षकों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। शिवलाल पुस्तक कंपनी द्वारा प्राचार्य को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अगली कड़ी में विद्यालय संस्थापक शिवप्रसाद प्रधान ने विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत लगन व धैर्य के साथ पढाई करने के लिए उत्साहित किया। उन्होने कहा कि बिना संघर्ष के कुछ भी प्राप्त नहीं होता।

अतः लक्ष्य प्राप्ति के लिए संघर्ष आवश्यक है। श्री प्रधान ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए प्रकाश तिवारी को उनकी उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामना दी। विद्यालय संचालक वरूण प्रधान श्रीमती रितिका प्रधान समस्त शिक्षक एवं सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# डालमिया सीमेन्ट व एच.ई.डब्ल्यू के श्रमिकों ने कलेक्ट्रेट में किया प्रदर्शन

नगर संवाददाता ■ रीवा

डालमिया सीमेन्ट और एच.ई.डब्ल्यू कारखाने के श्रमिकों ने पिछली अपनी छः माह की रुकी हुई वेतन भुगतान और कारखाना प्रबंधन द्वारा नियम विरुद्ध पूर्व से काम कर रहे श्रमिकों को हटाये जाने के विरोध में जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर को आठ सूत्रीय मांग पत्र सौपा। कलेक्टर ने कारखाना प्रबंधन और श्रमिकों के प्रतिनिधियों के बीच चर्चा कर समस्या का तत्काल हल करने हेतु प्रबंधन को निर्देशित किया। मांग पत्र में मांग की गई है कि कारखाने में कई वर्षो से कार्यरत श्रमिकों की सेवा शर्तो में बदलाव न किया जाय, रुका हुआ छः माह का वेतन भुगतान कराया जाय, सुरक्षा मापदण्ड सुनिश्चित किया जाय, यूनियन के पूर्व में निकाले गये प्रतिनिधियों को काम पर वापस लिया जाय, सीमेन्ट रोड में काम करने वाले वेजवोर्ड का समझौता लागू किया जाय, सेवानिवृत्ति के बाद श्रमिकों को मिलने वाली ग्रेज्युटी का लाभ सुनिश्चित किया जाय। इस मौके पर सीटू के जिलाध्यक्ष गिरिजेश सिंह सेंगर, कार्यवाहक अध्यक्ष राकेश सिंह, सीमेन्ट यूनियन के नेता यू.बी.द्विवेदी, अनिल सोनी, राकेश शुक्ला, प्रवीण सिंह, मनोज तिवारी, अयोध्या पाण्डेय, पुष्पेन्द्र सिंह, धानेन्द्र तिवारी, लालविहारी सिंह, हरीलाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

# महिला महासभा ने बारिश में फैलने वाली बीमारियों के प्रति किया जागरूक

नगर संवाददाता ■ रीवा

अग्रवाल महिला महासभा द्वारा संगोष्ठी आयोजित कर बारिश के मौसम में फैलने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक किया। महासभा की प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती मीना बंसल ने बताया कि बताया जागरूकता के अभाव में बीमारियां घर में दस्तक देती हैं बारिश के दिनों में दूषित जल पीने और मच्छरों के काटने से डेंगू, टाइफाइड और मलेरिया जैसी बीमारियों के फैलने की आशंका बहुत बढ़ जाती है। उन्होंने महिलाओं से अपील की है कि वे घरों में पानी जमा न होने दें, उबला हुआ पानी पिएं और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें।यह संगोष्ठी मध्य प्रदेश अग्रवाल महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश मित्तल के निर्देश पर आयोजित की गई। कार्यक्रम में संभागीय अध्यक्ष गीता अग्रवाल, जिला अध्यक्ष नम्रता अग्रवाल,महामंत्री राखी अग्रवाल, ,गीता अग्रवाल, रिशु, सुनीता चमडिया सहित समाज की अन्य सदस्य महिलाएं उपस्थित रही। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं को बीमारियों से बचाव के उपाय बताए गए और पर्चे भी वितरित किए गए।

# आत्महत्या के लिए उकसाने वाला आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

नगर संवाददाता ■ रामबाग

जवा थाना पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार जवा थाना में दर्ज गुमशुदगी प्रकरण क्रमांक 27/26 की लापता युवती शिवानी मिश्रा का शव बाद में सोहागी थाना क्षेत्र की तमस नदी में मिला था। जवा थाना में मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस को साक्ष्य मिले कि विपिन शर्मा उर्फ सेन (निवासी सिटकहियां अकौढ़ा, थाना कौंधियारा, जिला प्रयागराज, उत्तर प्रदेश) ने युवती को आत्महत्या के लिए उकसाया था। इसके आधार पर जवा थाना में आरोपी के खिलाफ धारा 108 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया। गुरुवार को आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेजने के आदेश दिए गए। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा तथा एसडीओपी डभौरा नारायण सिंह कुमरे के निर्देशन में थाना प्रभारी अरविंद सिंह राठौर के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई में उपनिरीक्षक रन्नू देवी, आरक्षक सूरज सिंह, वेद वर्मा, शरद पाण्डेय एवं सैनिक हीरामणि पाण्डेय की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

# मानसिक स्वास्थ्य के बिना शारीरिक स्वास्थ्य संभव नहीं हैः डॉ. अमरेन्द्र

नगर संवाददाता ■ रीवा

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के समाज कार्य अध्ययन केन्द्र में 22 जुलाई 2026 को विश्वविद्यालय स्तर पर शैक्षणिक सत्र 2026-27 में मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन एवं नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के तहत ''मानसिक स्वास्थ्य एवं नषा मुक्ति'' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अमरेन्द्र सिंह, सहायक प्राध्यापक, मनोचिकित्सा विभाग, श्याम शाह मेडिकल कॉलेज, रीवा रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि मानसिक स्वास्थ्य पर प्रकाश डालते हुये मानसिक बीमारियाँ जैसे- अवषाद, चिंता, पागलपन, ओ.सी.डी., पैनिक डिस्आडर, अटेंषन, आत्म-हत्या जैसी गम्भीर मानसिक बीमारियों के संदर्भ में व्याख्या की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समाज कार्य अध्ययन केन्द्र के प्रभारी आचार्य प्रो. श्रीकान्त मिश्र ने कहा कि स्वस्थ तन, मन एवं चेतना से ही परिपूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण होता है। वातावरण ही हमें जीवन जीने का तरीका सिखाता है, परन्तु इस भाग-दौड़ भरी जीवन पद्धति ने हमारे जीवन में नई-नई चुनौतियाँ खडी की है। जिसका निराकरण योग, ध्यान, व्यायाम से किया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शषांक पाण्डेय, समाज कार्य अध्ययन केन्द्र ने किया।

गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ निगमायुक्त की अनोखी पहल

# चालान काटने के बाद थमाया जा रहा डस्टबिन

नगर संवाददाता ■ रीवा

शहर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने हेतु नगर निगम रीवा द्वारा विशेष स्वच्छता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में निगम की स्वच्छता टीम द्वारा गुरुवार को सिरमौर चौराहा एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने, नालियों में अपशिष्ट डालने, सड़क किनारे गंदगी फैलाने तथा दुकानों एवं प्रतिष्ठानों में डस्टबिन की व्यवस्था न रखने वालों पर मौके का जायजा लिया गया। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध मौके पर ही कुल रूपये 10000 की स्पॉट फाइन वसूल की गई तथा साथ ही निगम की टीम द्वारा अनूठी पहल करते हुए दर्जनों दुकानदारों को डस्टबिन वितरित किए गए एवं नियमित रूप से डस्टबिन उपयोग करने की समझाइश दी गई। इस दौरान उपस्थित निगम कर्मचारियों ने व्यापारियों एवं नागरिकों को अवगत कराया कि प्रत्येक दुकान एवं प्रतिष्ठान में डस्टबिन रखना अनिवार्य है। दुकानदारों से अपेक्षा की गई कि वे कचरे को निर्धारित डस्टबिन में ही एकत्र करें, नागरिकों को भी डस्टबिन के प्रयोग हेतु प्रेरित करें तथा नगर निगम के कचरा संग्रहण वाहन में ही दें। नगर निगम रीवा ने समस्त शहरवासियों से अपील की है कि वे अपने घरों, दुकानों एवं प्रतिष्ठानों में डस्टबिन का नियमित उपयोग करें, गीले एवं सूखे कचरे को पृथक-पृथक रखें तथा कचरा केवल निगम के संग्रहण वाहन में ही दें। कार्रवाई के दौरान स्वच्छता निरीक्षक महादेव राठौर, मिथिलेश मिश्रा, वार्ड दरोगा, आईईसी हेड विवेक परमार एवं अतिक्रमण अमला के साथ अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

# अतरैला थाना में रस्साकशी प्रतियोगिता खिलाड़ियों को दिलाई नशामुक्ति की शपथ

नगर संवाददाता ■ रामबाग

रीवा जिले में चलाए जा रहे %नशे से दूरी है जरूरी 2.0% अभियान के तहत गुरुवार को अतरैला थाना परिसर में रस्साकशी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर खेल भावना का परिचय दिया। आयोजन का उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़कर नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने के लिए प्रेरित करना रहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना, पुलिस महानिरीक्षक गौरव राजपूत तथा पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरण सिंह के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में एसडीओपी डभौरा नारायण कुम्हारे, अतरैला थाना प्रभारी विजय प्रताप सिंह परिहार, जवा थाना प्रभारी अरविंद सिंह राठौड़, डभौरा थाना प्रभारी ऋषभ सिंह बघेल सहित पुलिस अधिकारी, जनप्रतिनिधि, सरपंच, ग्रामीण और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल युवाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाने के साथ उन्हें नशे जैसी बुराइयों से भी दूर रखते हैं। उन्होंने युवाओं से नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। प्रतियोगिता के समापन पर सभी प्रतिभागियों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों और खिलाड़ियों को शील्ड देकर सम्मानित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियान के तहत जिले के विभिन्न स्कूलों और महाविद्यालयों में खेल प्रतियोगिताएं, जागरूकता कार्यक्रम और संवाद आयोजित किए जाएंगे, ताकि युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराकर सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ा जा सके।

संपादकीय

## भरोसा टूटने न पाए

बीते सोमवार 20 जुलाई, को संसद सत्र के पहले ही दिन, संसद भवन के 1.5 किमी के दायरे में, हजारों युवाओं की ऐसी भीड़ आक्रोशित हो गई कि संसद भवन के सभी मोटे-बड़े मेन गेट बंद करने पड़े। हजारों पुलिसकर्मियों के अलावा, अर्द्धसैनिक बलों, रैपिड एक्शन फोर्स, पानी की तेज बौछार मारने वाले बल के जवानों को सड़कों पर उतारना पड़ा। देश की राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला एकदम सामने आ गया। वैसे तो देश की आजादी के कुछ साल बाद ही पेपर लीक की घटनाएं सामने आने लगी थीं, शिक्षा-प्रणाली में आज भी विसंगतियां हैं, शिक्षा मंत्री सवालिया होते रहे हैं, लेकिन अनशन कितने हुए? किसी सामाजिक, राजनीतिक, पेशेवर समस्या का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन इन संवेदनशील मुद्दों पर अभी तक ऐसा युवा, छात्र आंदोलन भड़कते नहीं देखा गया। इस साल भी 11 लाख से अधिक युवाओं ने 'नीट' परीक्षा पास की है, लेकिन उनमें से 9 लाख से अधिक युवाओं को मेडिकल से जुड़े किसी भी कोर्स में दाखिला नहीं मिलेगा। कारण, भारत में सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 1.36 लाख से कुछ अधिक ही सीटें हैं। उसके बाद बीडीएस, आयुर्वेदिक, होम्योपैथी, यूनानी आदि में भी करीब 80 हजार सीटें हैं। ये कैसी व्यवस्था है कि युवा ने 'नीट' भी पास कर ली और वह किसी भी तरह डॉक्टर नहीं बन पाया! शेष 9 लाख से अधिक सफल युवा क्या एकदम असफल साबित हो जाएंगे? तो हमारे युवाओ! हिंसक आंदोलन क्यों करते हो? ये तो बंजर हैं! आत्महत्याएं इस व्यवस्था का समाधान नहीं हैं। दरअसल राजधानी दिल्ली में आंदोलनजीवी, प्रदर्शनकारियों और उत्पातियों की एक पेशेवर जमात है। उसके चेहरे शाहीन बाग, अन्ना हजारे-केजरीवाल, महिला पहलवानों के प्रदर्शन और किसान आदि आंदोलनों में भी दिखाई दिए। वामपंथी तर्ज पर नारे लगाना और डफली बजाना इनकी खास पहचान है। सोनम वांगचुक के अनशन के दौरान भी यह जमात सक्रिय रही। उन्हें कौन 'फंडिंग' करता है? बेशक भारत सबसे युवा राष्ट्र है। उसकी करीब 65 फीसदी आबादी की औसतन उम्र 35 साल है। 15-29 साल के आयु-वर्ग के 56 करोड़ से अधिक युवा हैं। वे भारत की ताकत और भविष्य हैं, लिहाजा किसी भी सूरत में उनका भरोसा टूटना नहीं चाहिए। लेकिन जो भीड़ संसद भवन में घुसना चाहती थी, वह वामदलों, कांग्रेस, 'आप' के छात्र-संगठनों के पेशेवर चेहरे थे। अचानक मनीष सिसोदिया, संजय सिंह सांसद सरीखे आप नेता और सांसद डिंपल यादव के नेतृत्व में सपा का हुजूम सड़कों पर कैसे आ गया? यकीनन यह राजनीतिक कवायद थी। अनशन और 'संसद चलो' का यह कथित आंदोलन पूरी तरह 'राजनीतिक' है, क्योंकि उनकी पहली मांग शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा है। वांगचुक की भी इच्छा है कि विभिन्न सांसद और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि अस्पताल में आकर उनसे मिलें और उनकी मांगों पर आश्वासन दें। बहरहाल यदि यह शैक्षिक प्रदर्शन था, तो किन युवाओं ने पथराव किए, नतीजतन 5 आईपीएस अधिकारियों समेत 118 पुलिसकर्मी घायल हुए। यह कोई सामान्य आंकड़ा नहीं है। बेशक 60 से अधिक प्रदर्शनजीवी भी घायल हुए हैं। करीब 70 लोग हिरासत में लिए गए हैं। इस पूरे उपद्रव के दौरान एक ऐसा नाम सामने आता रहा, जो कीट-भाव पैदा करता है। कीट-मकौड़ों की जनता नहीं हुआ करती, उनका लोकतंत्र नहीं होता, तिलचट्टे घर-घर पैदा होते रहे हैं, लिहाजा 'कॉकरोच जनता पार्टी' हमारे लोकतंत्र और राजनीतिक दलों पर एक भद्दा मजाक है। उसे 'राजनीतिक व्यंग्य' भी नहीं मान सकते। उसका चुनाव आयोग में कोई पंजीकरण नहीं है और न ही इस नाम से मान्यता दी जानी चाहिए। जनता इनसानों की होती है, जो लोकतंत्र की वाहिका होती है।

### भारत के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट 'विक्रम-1' का सफल प्रक्षेपण

# विक्रम-1: नए भारत की अंतरिक्ष उड़ान का स्वर्णिम अध्याय

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

भारत ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि यदि संकल्प, वैज्ञानिक दृष्टि और नवाचार का संगम हो तो आकाश भी सीमा नहीं, बल्कि संभावनाओं का प्रारंभ बन जाता है। भारत के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट 'विक्रम-1' का सफल प्रक्षेपण केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत, नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था और विज्ञान-प्रधान भविष्य की ओर बढ़ते राष्ट्र का एक नया घोषणापत्र है। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 'मिशन आगमन' के अंतर्गत हुई यह ऐतिहासिक उड़ान भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान के इतिहास में एक ऐसे स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हो गई है, जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि अब अंतरिक्ष विज्ञान केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि निजी उद्यम भी वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत का नेतृत्व करेंगे। निश्चित ही विक्रम-1 नए भारत की अंतरिक्ष उड़ान का स्वर्णिम अध्याय एवं निजी अंतरिक्ष क्रांति की आकाशीय सफलताओं की नई जमीन है।

विक्रम-1 की सफलता उस महान वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई के स्वप्न को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिन्होंने कभी कहा था कि भारत जैसे विकासशील देश के लिए अंतरिक्ष विज्ञान विलासिता नहीं, बल्कि विकास का अनिवार्य साधन है। आज उसी विचार की आधुनिक अभिव्यक्ति स्काईरूट एयरोस्पेस के रूप में दिखाई देती है, जिसने अपने पहले ही प्रयास में इतिहास रच दिया। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि इस समय दुनिया में केवल कुछ ही देशों के निजी उपक्रम ऑर्बिटल रॉकेट विकसित कर पाए हैं। भारत अब उस विशिष्ट समूह में शामिल हो गया है, जहां नवाचार, वैज्ञानिक कौशल और उद्यमशीलता मिलकर नई संभावनाओं का निर्माण कर रहे हैं। अमेरिका के स्पेसएक्स ने जिस निजी अंतरिक्ष क्रांति की शुरुआत की थी, भारत ने अब उसका अपना स्वदेशी संस्करण प्रस्तुत कर दिया है।

विक्रम-1 की तकनीकी विशेषताएं भी इसे विशिष्ट बनाती हैं। पूरी तरह कार्बन कंपोजिट से निर्मित यह रॉकेट अपेक्षाकृत हल्का, अधिक मजबूत तथा कम लागत वाला है। थ्री-डी प्रिंटिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के उपयोग ने इसके निर्माण खर्च को उल्लेखनीय रूप से कम किया है। इसका सीधा अर्थ है कि भविष्य में छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण का वैश्विक बाजार भारत के लिए नए आर्थिक अवसर लेकर आएगा। आज दुनिया में संचार, मौसम पूर्वानुमान, कृषि, रक्षा, आपदा प्रबंधन, इंटरनेट सेवाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों के लिए हजारों छोटे उपग्रहों की आवश्यकता बढ़ रही है। ऐसे में भारत कम लागत और उच्च विश्वसनीयता के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर सकता है। 'विक्रम-1' को विकसित करने वाली निजी कंपनी 'स्काईरूट एयरोस्पेस' ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक विक्रम साराभाई के नाम पर इस रॉकेट का नामकरण कर न सिर्फ उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है, बल्कि हमारे औद्योगिक घरानों को भी यह संदेश दिया है कि कारोबार करते हुए भी अपने देश की समृद्ध विरासत का सम्मान किया जाना चाहिए।

गौर कीजिए, अप्रैल 1975 में जब भारत ने अपना पहला उपग्रह अंतरिक्ष में भेजा था, तब उसका नामकरण महान खगोल वैज्ञानिक आर्यभट्ट के नाम पर किया गया था। यह सफलता केवल एक कंपनी की उपलब्धि नहीं है। यह उस नई नीति का परिणाम भी है जिसके अंतर्गत भारत सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी निवेश और स्टार्टअप के लिए खोलने का साहसिक निर्णय लिया। नई अंतरिक्ष नीति, इन-स्पेस जैसी संस्थाओं की स्थापना तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लिए उदार प्रावधानों ने भारतीय युवाओं के सामने नए अवसरों के द्वार खोल दिए हैं। आज देश में अनेक स्पेस स्टार्टअप उपग्रह निर्माण, प्रक्षेपण प्रणाली, अंतरिक्ष संचार और डेटा सेवाओं के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह परिवर्तन भारत को ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में मजबूत आधार प्रदान करेगा। किन्तु हर सफलता अपने साथ नई चुनौतियां भी लेकर आती है।

विक्रम-1 की पहली उड़ान सफल अवश्य रही है, परंतु अंतरिक्ष उद्योग में स्थायी सफलता केवल एक प्रक्षेपण से सुनिश्चित नहीं होती। स्काईरूट एयरोस्पेस को अब वैश्विक बाजार में स्पेसएक्स, रॉकेट लैब तथा चीन की अनेक निजी कंपनियों जैसी सशक्त प्रतिस्पर्धा का सामना करना होगा। नियमित ग्राहक, समय पर प्रक्षेपण, कम लागत, उच्च विश्वसनीयता तथा भविष्य में पुनः प्रयोज्य रॉकेट तकनीक विकसित करना उसकी अगली बड़ी परीक्षा होगी। अंतरिक्ष उद्योग में विश्वास सबसे बड़ी पूंजी होता है और वह निरंतर सफल अभियानों से ही अर्जित किया जा सकता है। इस ऐतिहासिक सफलता के बीच एक गंभीर प्रश्न भी हमारे सामने खड़ा है-क्या इसरो अपनी वैज्ञानिक प्रतिभाओं को लंबे समय तक अपने साथ बनाए रख पाएगा? हाल के वर्षों में अनेक अनुभवी वैज्ञानिक निजी क्षेत्र की ओर आकर्षित हुए हैं। इसका कारण केवल अधिक वेतन नहीं, बल्कि बेहतर कार्य संस्कृति, अनुसंधान की स्वतंत्रता, त्वरित निर्णय प्रक्रिया और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण भी है।

इसरो ने भारत को चंद्रयान, मंगलयान, आदित्य-एल1, गगनयान जैसी ऐतिहासिक उपलब्धियां दी हैं। सीमित संसाधनों में विश्वस्तरीय परिणाम देकर इसरो ने पूरी दुनिया का सम्मान अर्जित किया है। किंतु यदि प्रतिभाशाली वैज्ञानिक धीरे-धीरे संस्थान से बाहर जाते रहे तो दीर्घकाल में अनुसंधान और राष्ट्रीय अंतरिक्ष कार्यक्रम प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए इसरो के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल नए मिशन तैयार करना नहीं, बल्कि वैज्ञानिक प्रतिभाओं को प्रेरित, सम्मानित और संतुष्ट बनाए रखना भी है। सरकार को चाहिए कि इसरो के वैज्ञानिकों के लिए प्रतिस्पर्धी वेतन संरचना, अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाएं, निर्णय लेने की अधिक स्वतंत्रता तथा नवाचार को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां विकसित करे। सरकारी संस्थानों और निजी कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि सहयोग का वातावरण तैयार होना चाहिए। निजी क्षेत्र इसरो का विकल्प नहीं, बल्कि उसका सहयोगी बन सकता है। जिस प्रकार अमेरिका में नासा और स्पेसएक्स मिलकर अंतरिक्ष कार्यक्रमों को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं, उसी प्रकार भारत में इसरो और निजी कंपनियों का समन्वय देश को वैश्विक नेतृत्व प्रदान कर सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की भी है कि अंतरिक्ष विज्ञान को विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के स्तर तक पहुंचाया जाए। विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं का विषय न रहकर जन-आंदोलन बने। युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और नवाचारकर्ताओं को स्टार्टअप संस्कृति से जोड़ने के लिए विशेष प्रोत्साहन दिया जाए। यदि प्रत्येक राज्य में स्पेस टेक्नोलॉजी इनोवेशन सेंटर स्थापित किए जाएं, उद्योगों और विश्वविद्यालयों के बीच अनुसंधान साझेदारी विकसित की जाए तथा अंतरिक्ष तकनीक में निवेश को बढ़ावा दिया जाए तो भारत अगले दशक में विश्व का अग्रणी अंतरिक्ष नवाचार केंद्र बन सकता है। भविष्य की आकाशीय सफलताओं की नई जमीन तैयार करने के लिए कुछ रचनात्मक कदम अत्यंत आवश्यक हैं-इसरो और निजी कंपनियों के बीच संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं प्रारंभ हों; पुनः प्रयोज्य रॉकेट तकनीक और हरित प्रणोदन (ग्रीन प्रोपल्शन) पर विशेष निवेश किया जाए; अंतरिक्ष विनिर्माण के लिए स्वदेशी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत किया जाए; युवाओं के लिए अंतरिक्ष उद्यमिता को बढ़ावा देने वाले विशेष कोष बनाए जाएं; तथा अंतरिक्ष कानूनों को सरल, पारदर्शी और निवेश-अनुकूल बनाया जाए। साथ ही, अंतरिक्ष मलबे (स्पेस डेब्रिस) के प्रबंधन, पर्यावरणीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर भी समान रूप से ध्यान देना होगा, क्योंकि भविष्य का अंतरिक्ष विकास केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का भी विषय है।

विक्रम-1 ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत अब केवल अंतरिक्ष में पहुंचने वाला देश नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र बन चुका है। यह सफलता नए भारत के आत्मविश्वास, युवाओं की प्रतिभा और वैज्ञानिक सोच की विजय है। यह उस राष्ट्र की कहानी है जिसने कभी साइकिल और बैलगाड़ी पर रॉकेट के पुर्जे ढोए थे और आज निजी क्षेत्र के माध्यम से वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा रहा है। वास्तव में, विक्रम-1 केवल एक रॉकेट नहीं, बल्कि भारत के वैज्ञानिक आत्मविश्वास का उड़ता हुआ प्रतीक है। यह सफलता हमें यह संदेश देती है कि यदि नीति, प्रतिभा, उद्योग और राष्ट्रीय संकल्प एक दिशा में आगे बढ़ें तो असंभव भी संभव बन जाता है। निजी क्षेत्र की यह सफलता विज्ञान में अभिरुचि रखने वाले भारतीयों के लिए एक आह्वान है- अंतरिक्ष सेनानिया करो प्रयाण, सारा आकाश तुम्हारा है। अब आवश्यकता इस बात की है कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि को एक शुरुआत मानते हुए भारत अंतरिक्ष विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार की ऐसी मजबूत नींव तैयार करे, जहां इसरो की गौरवशाली परंपरा और निजी क्षेत्र की नई ऊर्जा मिलकर विश्व को नई दिशा दें। तभी सच अर्थों में यह कहा जा सकेगा कि अब केवल धरती ही नहीं, बल्कि पूरा आकाश भी भारत की नई विकास-गाथा का विस्तार बन चुका है।

# पेपर लीक पर मौन नहीं, जवाबदेही चाहिए

भूपेन्द्र गुप्ता
लेखक स्वतंत्र विश्लेषक हैं

देश का युवा आज एक कठिन प्रश्न पूछ रहा है- क्या उसकी मेहनत की कोई कीमत है? प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में लाखों छात्र अपने जीवन के कई वर्ष लगा देते हैं। परिवार कर्ज लेकर कोचिंग कराता है, छात्र अपने सपनों को दांव पर लगाता है, लेकिन जब बार-बार पेपर लीक होते हैं, परीक्षाएं रद्द होती हैं और चयन प्रक्रिया विवादों में घिर जाती है, तब सबसे बड़ी क्षति केवल परीक्षा की नहीं, बल्कि युवाओं के विश्वास की होती है। यदि पिछले वर्षों में बड़ी संख्या में प्रतियोगी परीक्षाएं पेपर लीक या गंभीर अनियमितताओं से प्रभावित हुई हैं, तो यह किसी एक कर्मचारी की गलती नहीं मानी जा सकती। यह व्यवस्था की विफलता का संकेत है। लोकतंत्र में व्यवस्था की सफलता का श्रेय यदि सरकार लेती है, तो उसकी विफलताओं की जवाबदेही भी स्वीकार करनी चाहिए।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि जवाबदेही स्वीकार करने की जगह कई बार ऐसा वातावरण बनाया जाता है, मानो प्रश्न पूछने वाले छात्र ही कटघरे में हों। जो युवा निष्पक्ष परीक्षा की मांग कर रहे हैं, वे किसी दल के कार्यकर्ता नहीं हैं; वे इस देश के भविष्य हैं। उनके सवालों का उत्तर तर्क, पारदर्शिता और सुधार से दिया जाना चाहिए, न कि उन्हें संदेह की दृष्टि से देखकर। सरकार ने सार्वजनिक परीक्षाओं में धांधली रोकने के लिए नया कानून बनाया है। यह स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन कानून का वास्तविक मूल्य उसके प्रभावी क्रियान्वयन से तय होगा। यदि कानून बनने के बाद भी पेपर लीक की घटनाएं रुकती नहीं हैं, तो यह पूछना स्वाभाविक है कि कमी कानून में है, व्यवस्था में है या उसे लागू करने की इच्छाशक्ति में।

देश यह भी जानना चाहता है कि हर पेपर लीक के बाद केवल छोटे-छोटे आरोपी ही क्यों सामने आते हैं? वे लोग कौन हैं जो इस पूरे नेटवर्क को संचालित करते हैं? उनकी राजनीतिक, प्रशासनिक या आर्थिक संरक्षण-श्रृंखला क्या है? जब तक इस संगठित अपराध की जड़ों तक नहीं पहुंचा जाएगा, तब तक गिरफ्तारियां केवल समाचार बनेंगी, समाधान नहीं।

एक और महत्वपूर्ण प्रश्न है-क्या परीक्षा रद्द होने की कीमत केवल छात्र ही चुकाएगा? उसकी उम्र बढ़ती है, अवसर कम होते हैं, आर्थिक बोझ बढ़ता है और मानसिक तनाव अलग। क्या इस नुकसान की कोई जवाबदेही तय होगी?

लोकतांत्रिक शासन का मूल सिद्धांत है कि अधिकार के साथ उत्तरदायित्व भी आता है। यदि किसी विभाग में बार-बार गंभीर विफलताएं हों, तो केवल अधिकारियों पर नहीं, बल्कि नीति और नेतृत्व पर भी प्रश्न उठना स्वाभाविक है। जवाबदेही स्वीकार करना पराजय नहीं, बल्कि सुशासन का प्रमाण है।

आज देश के युवाओं को भाषण नहीं, भरोसा चाहिए; आश्वासन नहीं, निष्पक्ष व्यवस्था चाहिए; और सबसे बढ़कर यह विश्वास चाहिए कि उनकी सफलता का निर्णय उनकी मेहनत करेगी, किसी पेपर लीक गिरोह की पहुंच नहीं।

सरकार यदि वास्तव में युवाओं के साथ खड़ी है, तो उसे तीन स्पष्ट कदम उठाने चाहिए-हर पेपर लीक की समयबद्ध और स्वतंत्र जांच, दोषियों को शीघ्र एवं कठोर दंड, तथा जहां भी प्रशासनिक विफलता सिद्ध हो, वहां शीर्ष स्तर तक जवाबदेही तय करना।

भारत दुनिया का सबसे युवा देश बनने का दावा करता है। इस दावे की वास्तविक परीक्षा भाषणों से नहीं, बल्कि परीक्षा प्रणाली की ईमानदारी से होगी। जिस दिन देश का युवा यह विश्वास कर लेगा कि उसकी मेहनत ही उसकी सबसे बड़ी सिफारिश है, उसी दिन भारत वास्तव में विश्वगुरु बनने की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाएगा। समाधान की दिशा में कुछ ठोस कदम उठाने होंगे।

केवल दोषियों की गिरफ्तारी से समस्या समाप्त नहीं होगी। परीक्षा प्रणाली में ऐसे संस्थागत सुधार आवश्यक हैं जो पेपर लीक की संभावना को न्यूनतम करें। सबसे पहले, देश की सभी प्रमुख सार्वजनिक भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं का संचालन पूर्णतः सरकारी एवं संवैधानिक जवाबदेही वाली संस्थाओं के माध्यम से किया जाना चाहिए। यदि किसी तकनीकी कार्य के लिए निजी एजेंसियों की सेवाएं ली भी जाएं, तो उनकी भूमिका सीमित और कड़ी निगरानी के अधीन हो तथा अंतिम नियंत्रण पूरी तरह सरकारी संस्था के पास रहे।

दूसरा, प्रश्नपत्र निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह गोपनीय और तकनीक-आधारित बनाया जाए। प्रश्नों का चयन एक बड़े प्रश्न बैंक से रैंडम (यादृच्छिक) एल्गोरिदम के माध्यम से अंतिम समय में किया जाए, ताकि किसी एक व्यक्ति या समूह को पूरे प्रश्नपत्र की पूर्व जानकारी न हो। तीसरा, प्रत्येक परीक्षा कक्ष में एक ही प्रश्नपत्र के स्थान पर अलग-अलग क्रम या समतुल्य प्रश्न सेट वितरित किए जाएं। इससे यदि कोई व्यक्ति उत्तर साझा करने या संगठित नकल का प्रयास करे तो उसका प्रभाव काफी कम हो सकता है। यह व्यवस्था कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परीक्षाओं में पहले से अपनाई जाती है। इसके अतिरिक्त प्रश्नपत्रों की डिजिटल एन्क्रिप्शन व्यवस्था, सुरक्षित प्रिंटिंग, जीपीएस आधारित परिवहन निगरानी, परीक्षा केंद्रों का स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक चरण की जवाबदेही भी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

इन उपायों से पेपर लीक पूरी तरह समाप्त होने की गारंटी तो नहीं दी जा सकती, लेकिन इसकी संभावना को काफी हद तक कम किया जा सकता है। करोड़ों युवाओं के भविष्य की रक्षा के लिए अब केवल कानून नहीं, बल्कि मजबूत और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है।

सरकारें कानून बनाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं कर सकतीं; कानून का सम्मान तब होता है जब सत्ता स्वयं उसकी पहली जवाबदेही स्वीकार करे।

## निःस्वार्थ समाजसेवी, दूरदर्शी नेता चंद्रमोहन

प्रतुल श्रीवास्तव

प्रकाश और खुशबू की भांति ही ज्ञान और प्रतिभा को भी छिपाया नहीं जा सकता। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी बाबू चंद्रमोहन दास जी को हम सभी न केवल एक कुशल संगठक, योजनाकार, सहृदय दबंग कांग्रेस नेता, पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री के रूप में जानते हैं वरन सम्पूर्ण देश में उनकी पहचान राजा गोकुलदास परिवार के प्रतिनिधि और एक सफल उद्योगपति के रूप में भी है। उनके जीवन पर अपने पितामह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, साहित्यकार, सांसद सेठ गोविन्ददास की त्याग-तपस्या, ईमानदारी, विकासोन्मुखी चिंतन, धर्मनिष्ठा के साथ ही चारित्रिक दृढ़ता, विनम्रता और मृदुभाषिता के लिए प्रदेश भर में चर्चित रहे अपने पिता पूर्व मंत्री बाबू मनमोहदास जी का गहरा प्रभाव है। 24 जुलाई 1949 को सम्पन्न और वैभवशाली परिवार में जन्में बाबू चंद्रमोहन अपने पितामह और पिता के सद्गुणों का परिष्कृत स्वरुप हैं। उन्होंने अपने बाल्यकाल से एम. काम. तक अध्ययन-यात्रा के दौरान, फिर अपने श्रम और सूझबूझ से एक सफल उद्योगपति व प्रदेश के मंत्रि पद तक पहुंचने के बाद भी अपनी सहजता कायम रखी। अपने साथियों को कभी विस्मृत नहीं किया।

वे देश-प्रदेश के ऐसे इकलौते विधायक के रूप में पहचाने जाते हैं जिन्होंने मध्यप्रदेश के जबलपुर केंट क्षेत्र से विधानसभा चुनाव जीतने के उपरांत स्वयं की पार्टी कांग्रेस की सरकार बनने के बावजूद लगभग 6 माह (उस समय तक) शपथ ग्रहण नहीं की जब तक कि उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र के कई वर्षों से लम्बित जल एवं अन्य विशिष्ट समस्याओं के त्वरित निराकरण का आश्वासन सरकार से नहीं ले लिया। क्षेत्र के विकास के लिए उनके द्वारा बनाई एवं लाई गई योजनाएं उनके कार्यकाल के बाद तक स्वरुप ग्रहण करती रहीं। बाबू चंद्रमोहन ने मंत्रिपद पर रहते हुए न तो कभी लालबत्ती युक्त शासकीय वाहन का उपयोग किया और न ही सुरक्षाकर्मी रखे। ऐसे सजग और जुझारू नेता चंद्रमोहन जी विगत लगभग पांच दशकों से हितकारिणी सभा के सदस्य और पदाधिकारी के रूप में नगर के शैक्षणिक-बौद्धिक व साहित्यिक-सांस्कृतिक विकास में भी रत हैं। उन्होंने हितकारिणी शिक्षण संस्थाओं में समयानुकूल, रोजगारोन्मुखी, आधुनिक तकनीकी विषयों की उच्चशिक्षा प्रारम्भ कराई। बाद में अन्य शिक्षण संस्थाओं ने इसका अनुसरण किया और आज जबलपुर नगर को एजुकेशन हब होने का गौरव प्राप्त हुआ

चंद्रमोहन जी के मित्र और कार्यकर्ता उन्हें विषम राजनैतिक, सामाजिक व मानसिक परिस्थितियों से उबारने में सदा समुचित सहायता करने वाला मार्गदर्शक भी मानते हैं। ऊँचे कद, बलिष्ट शरीर, गौरवर्ण और भव्य आकर्षक व्यक्तित्व के स्वामी चंद्रमोहन जी को देखकर लगता है जैसे ताजगी स्वयं सामने खड़ी है। उनके निवास और कार्यालय में प्रतिदिन दर्जनों व्यक्ति सकारण-अकारण उनसे मुलाकात करने पहुँचते हैं। संभवतः इसका कारण बचपन से ही उनका बात का धनी होना है। जो कह दिया सो कह दिया फिर उससे मुकरना नहीं। उन्होंने अनुचित बात का किसी भी दबाव, रिश्ते, संकोच अथवा लाभ के लिए कभी भी समर्थन नहीं किया। यही कारण है कि वे कभी विवादों में नहीं घिरे। वे आज भी सम्पूर्ण क्षेत्र के सर्वमान्य कांग्रेस नेता हैं। ऐसे दूरदर्शी, निःस्वार्थ नेता, कुशल संगठक, शैक्षणिक एवं सामाजिक विकास के लिए समर्पित नगर के गौरव पुत्र बाबू चंद्रमोहन जी को आज उनके 77वें जन्म दिवस पर सभी मित्रों, प्रशंसकों, शुभचिंतकों की ओर से स्वस्थ, सुदीर्घ, यशस्वी जीवन के लिए बहुत बहुत शुभकामनायें।

# टीवी प्रसारण की भूमिका राष्ट्र निर्माण में अहम

डॉ. रमेश ठाकुर

भारत में 'राष्ट्रीय प्रसारण दिवस' प्रत्येक 23 जुलाई को मनाया जाता है। सूचना विधाओं के लिहाज से आज का दिन रेडियो क्रांति और प्रसारण का प्रतीक भी है। दिवस की शुरुआत वर्ष-1927 में हुई थी जिसका आज का 99 वां संस्करण है। सर्वविदित है कि 23 जुलाई 1927 को 'इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी' नाम से एक प्राइवेट संस्था ने 'बॉम्बे रेडियो क्लब' स्टेशन से हिंदुस्तान में पहला प्रसारण किया गया था जो ब्रिटिश औपनिवेशिक हुकूमत द्वारा लाइसेंस प्राप्त थी। कुछ वर्षों बाद ऑल इंडिया रेडियो और फिर आकाशवाणी के रूप में स्थापित हुई। वैसे, विधिवत रूप से प्रसारण मंच का शुभारंभ 8 जून 1936 से हुआ था। इसी दिन से विविध भाषाओं, संस्कृतियों और विचारों को एक सूत्र में पिरोने का चलन आरंभ हुआ। आकाशवाणी का नाम प्रसिद्व रचनाधर्मी 'एमबी गोपालस्वामी' द्वारा दिया गया था, जो संस्कृत शब्द से गढ़ा गया था। जिसका शाब्दिक मतलब होता है 'आकाश से आवाज'। इस शब्द को आधिकारिक रूप से 1935 में मैसूर में भारत के पहले निजी रेडियो स्टेशन की स्थापना के वक्त इस्तेमाल हुआ, जिसे बाद में भारत सरकार ने सार्वजनिक और आधिकारिक रूप से सरकारी रेडियो के लिए प्रयोग किया। भारतीयवायु सेना भर्ती

प्रसार भारती के नाम से प्रचलित भारतीय प्रसारण तंत्र आज विश्व का बससे बड़ा ब्रॉडकास्ट डिविजन है। 15 सिंतबर 1959 को, दिल्ली स्थित ऑल इंडिया रेडियो के स्टूडियों में, भारत का पहला टीवी चैनल शुरू किया गया था जो आज 'दूरदर्शन' यानी डीडी न्यूज के नाम से प्रसिद्व है। प्रसारण के विस्तार पर अगर नजर डालें, तो वर्तमान में आकाशवाणी के कुल 591 रेडियो केंद्र और प्रसारण के 230 स्टेशन संचालित हैं। वहीं, सूचना एंव प्रसारण मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ो के अनुसार, भारत में इस समय 908 निजी सैटेलाइट टीवी न्यूज चैनल सार्वजनिक प्रसारण सेवा में हैं। इनमें 40 फीसदी यानी करीब 350-400 के बीच केवल समाचार श्रेणी के हैं, जो हिंदी, अंग्रेजी के अलावा विभिन्न रायस्तरीय भाषाओं में संचालित हैं। निजी प्रसारण में आगमन सबसे पहले 1992 में 'जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज' से हुआ, उसके बाद तो निजी क्षेत्र में प्रसारणों की बाढ़ आ गई। करीब 3 हजार से अधिक नए लाइसेंसों के लिए मंत्रालय में आवेदन आवेदित हैं।

भारत में प्रसारण का कलर 25 अप्रैल 1982 में बदला गया। यहीं से रंगीन टीवी की शुरुआत हुई, वरना इससे पहले तक पर्दा सफेद ही था। ये वह वक्त था जब दिल्ली में एशियाई खेलों का महाकुंभ आरंभ होना था। तब तेजी से वैश्विक स्तर पर मांग उठ रही थी

कि खेलों का प्रसारण रंगीन पर्दे पर किया जाए। इसके बाद 'ब्लैक एंड व्हाइट' के दौर का अंत हुआ और टीवी का पर्दा रातों-रात कलरफुल हो गया। टीवी प्रसारण का मतलब होता है ऑडियो और वीडियो सामग्री को विधुत चुम्बकीय तरंगों जैसे केबल, सैटेलाइट या इंटरनेट के जरिए जन जन तक पहुंचाना। प्रसारण आज के समय में सभी के जीवन का हिस्सा बन गया है। प्रसारण ऐसी संचार प्रणाली है जो दर्शकों को घर बैठे न्यूज से लेकर मनोरंजन के सभी माध्यमों को परोसता है। हालांकि, तकनीकी विकास के साथ प्रसारण विधाओं में काफी बदलाव हुआ है। अब दर्शक केबल या सैटेलाइट यंत्रों पर ही निर्भर नहीं रहते। दर्शक डाटा खर्च करके मोबाइल से ही हर प्रकार के प्रसारण का लुफ्त उठा लेते हैं। फिर चाहे, मैच हो या समाचार।

प्रसारण के क्षेत्र में अब इंटरनेट, डिजिटल और ओटीटी ने और विस्तार कर दिया है। सरकार सालाना प्रसारण से विज्ञापनों और फ्रीडिश से करीब 1200 से 1600 करोड़ रूपए कमाती है। वित्त वर्ष 2024-25 में प्रसार भारती का कुल राजस्व 1643 करोड़ था जिसमें से प्रमुख हिस्सा सरकारी डीटीएच प्लेटफार्म का था। साल 2025 के शीतकालीन सत्र में लोकसभा में सूचना एंव प्रसारण मंत्रालय द्वारा बताया गया था कि ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन ने निजी विज्ञापनों से तीन साल यानी 2022 से 2025 के बीच कुल 587.78 करोड़ कमाए। वहीं, 2025-2026 के अतं तक 650 करोड़ कमाने का लक्ष्य प्रसार भारती ने रखा हुआ है। ये ऐसा लक्ष्य है जिसे भी आसानी से हासिल किया जा सकता है। हिन्दीसमाचार पत्र

राष्ट्र निर्माण में प्रसारण की जो स्वर्णिम यात्रा सदियों पहले आरंभ हुई थी वह आज भी निरंतर जारी है। प्रसारण का क्षेत्र जनमानस के मन के तारों को छूता है। प्रसारण के जरिए ही बदलती तकनीकों के साथ संवाद भी निरंतर जारी हैं। केंद्र सरकार ने फ्री और निशुल्क चैनलों का वर्गीकरण भी बीते कुछ सालों से किया है, ताकि कोई भी दर्शक प्रसारण के रस से अछूता न रहे। 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' ऐसा प्रसारण नारा है जिसमें किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जाता। प्रसारण परिंदों की भांति है जिसकी कोई सीमा और बंदिशें नहीं? केंद्र सरकार प्रसारण में नए रस घोलने के लिए हमेशा कुछ न कुछ बदलाव करती है। मंनोरंजन के नए-नए कार्यक्रमों का शुभारंभ और समाचार की प्रस्तुतीकरण में समय-समय पर बदलाव किया जाता है, ताकी दर्शक बोर न हों। वर्ष-2012 से भारत सरकार ने मनोरंजन, समाचार, खेल, खेतीबाड़ी आदि क्षेत्रों में प्रसारण के विस्तार को बढ़ाया हैं। फ्री-डिश बिना किसी मासिक शुल्क के करीब 400 से अधिक चैनल शहरी-ग्रामीण दर्शकों को मुहैया करवाता है। यही कारण है भारतीय प्रसारण आज विश्व का बससे बड़ा प्रसारण क्षेत्र बनकर उभरा है।

## संक्षिप्त समाचार

### 31 से पहले कराएं खरीफ फसल का बीमा, अंतिम तिथि का इंतजार न करें

**ग्वालियर।** वर्तमान खरीफ मौसम में अनियमित एवं कम वर्षा की संभावना को देखते हुए किसानों से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अपनी अधिसूचित खरीफ फसलों का बीमा 31 जुलाई तक कराने की अपील की गई है। फसल बीमा के लिए ऑनलाइन पोर्टल 4 जुलाई से शुरू हो चुका है। जिलाधीश रुचिका चौहान ने किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के मैदानी अधिकारियों को अधिक से अधिक किसानों का फसल बीमा सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

### कई क्षेत्रों से निगम ने हटाए अस्थाई अतिक्रमण

**ग्वालियर।** यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और सार्वजनिक मार्गों को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए नगर निगम ने शहर में अभियान चलाया। गुरुवार को महाराज बाड़ा क्षेत्र में सुभाष मार्केट, नजरबाग मार्केट, टोपी बाजार, छापाखाना, स्काउट, एसबीआई बैंक और हेमू चौक से यातायात बाधित कर रहे हाथ ठेले व फुटपाथी दुकानदारों का सामान हटाकर जब्त किया गया। इसके अलावा जैन मंदिर के सामने राधे हार्डवेयर वाली गली से भी रास्ते में बाधा बन रहे सामान को हटाया गया। मुरार बारादरी चौराहे से हाथ ठेले हटाने की कार्रवाई की गई, वहीं रवि नगर और जीडीए कार्यालय के पास पार्किंग क्षेत्र में रखे ठेले व सामान हटाकर जगह खाली कराई गई। कार्रवाई में मदाखलत विभाग की टीमें मौजूद रहीं।

### शहर में रोपे 1650 पौधे, डिवाइडरों व पार्कों का किया सौंदर्यीकरण

नगर निगम के पार्क विभाग ने बारिश होने पर शहर में हरियाली बढ़ाने के लिए 1650 विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण किया। इसके साथ ही शहर के मुख्य चौराहों, डिवाइडरों और पार्कों के सौंदर्यीकरण किया गया। पार्क अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि नोडल अधिकारी पार्क मुकेश बंसल के निर्देशन में पुरानी छावनी से मोतीझील तक डिवाइडरों पर उद्यान निरीक्षक राजकुमार राजावत के नेतृत्व में 600 पौधे रोपे गए। जबकि केशव उद्यान, तुलसी उद्यान, ताला सैयद कब्रिस्तान एवं रामा कॉम्प्लेक्स समाधिया कॉलोनी क्षेत्र में कुल 350 पौधों का रोपण कराया गया। इसी प्रकार शताब्दी पुरम (वार्ड 18) स्थित बीड़ी श्रमिक उद्यान में उद्यान पर्यवेक्षक दिनेश कुशवाह द्वारा 500 पौधे लगाए गए। वहीं अनुपम नगर व टैगोर नगर पार्क, टैगोर नगर पार्क तथा रजिस्ट्रार कार्यालय रोड डिवाइडर पर उद्यान पर्यवेक्षक राजकुमार नागर द्वारा 200 पौधों का रोपण संपन्न कराया गया।

गुना में आरोपी ने मां के साथ मिलकर दोस्तों के गले-हाथ काटकर जलाए थे शव

# तीन हत्याओं का आरोपी थाने के बाहर पुलिस को चकमा देकर भागा, तीन घंटे बाद चिकित्सक के घर से पकड़ा

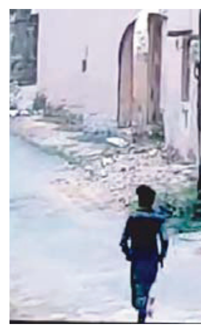

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

गुना में तिहरे हत्याकांड के प्रकरण में आजीवन की सजा काट रहा आरोपी हनी दुबे पुलिस कर्मियों को उस समय चकमा देकर भाग गया जब उसे केन्द्रीय जेल ले जाया जा रहा था। आरोपी के भागने की सूचना जैसे ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह को मिली तो उन्होंने पूरे जिले में नाकाबंदी करा दी। पुलिस की टीमों ने तीन घंटे की मशक्कत के बाद आरोपी को एक चिकित्सक के घर से पकड़ लिया। पुलिस से छूटने के बाद आरोपी चिकित्सक के सूने मकान में छिप गया था। पकड़ा गया आरोपी पिछले 24 घंटे में दूसरी बार चकमा देकर भाग निकला था।

गुना में वर्ष 2017 में हनी दुबे उसकी मां पूनम दुबे ने तीन युवकों की बेरहमी हत्या करने के बाद शवों को जला दिया था। उक्त मामले में मां-बेटे को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। हनी दुबे व पूनम ग्वालियर केन्द्रीय जेल में सजा काट रहे थे। उनको 6 से 21 जुलाई तक पन्द्रह दिन की पैरोल के बाद 22 जुलाई को जेल लौटना था। पूनम दुबे तो जेल लौट आई थीं, लेकिन हनी जेल के दरवाजे से फरार हो गया था। जैसे ही बहोड़ापुर थाना पुलिस को तिहरे हत्याकांड के आरोपी के फरार होने का पता चला उसे तलाश कर रात को ही हाथरस से गिरफ्तार कर लिया था। गुरुवार दोपहर बारह बजे के करीब बहोड़ापुर थाना पुलिस बदमाश हनी दुबे को केन्द्रीय जेल में छोड़ने जा रही थी। हनी तीन पुलिस कर्मियों को चकमा देकर बहोड़ापुर थाने से दोबारा फिर भाग गया। बदमाश के भागते ही पुलिस कर्मियों ने थाना प्रभारी आलोक सिंह परिहार को सूचना दी। आलोक परिहार ने एसएसपी धर्मवीर सिंह को बिना समय गंवाए बदमाश के फरार होने की जानकारी बता दी। एसएसपी ने पूरे जिले में अपराध शाखा सहित थानों की टीमों को अलर्ट कर दिया और नाकाबंदी कर बदमाश की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी। पुलिस बदमाश का फुटेज का पीछा करते हुए विनय नगर पहुंची। हनी दुबे एक चिकित्सक के सूने मकान के अंदर घुसते हुए कैद हो गया था। तीन घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने हनी को मकान के अंदर से पकड़ लिया और राहत की सांस ली। हनी दुबे को पूछताछ के बाद वापस जेल भेज दिया है।

### यह था मामला

वर्ष 2017 में सिंचाई विभाग में पदस्थ अंतर सिंह मीना का बेटा हेमंत 17 वर्ष सेकंड हैंड मोटरसाइकिल खरीदने 40 हजार रुपए लेकर घर से निकला था। हनी दुबे ने अपनी मां पूनम और एक अन्य नाबालिग के साथ मिलकर पहले रुपए छीने, बाद में उसका गला और हाथ काटकर हत्या कर दी। पहचान छिपाने के लिए शव को जला दिया गया। मां-बेटे ने हेमंत के मोबाइल से उसके पिता को फोन कर 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी थी। हेमंत की हत्या के बाद उसके दोस्त रितिक और लोकेश को भी मां-बेटे ने मौत के घाट उतार दिया था। दोनों का शव भी जंगल में जला दिया था। घटना को अंजाम देने के लिए क्राइम शो सावधान इंडिया देखा था और उसी को देखकर ही हत्या के सबूत मिटाए थे।

### तीन पुलिस कर्मियों की लापरवाही, निलंबित

**प्रधान आरक्षक शिशुपाल राठौर :** हनी दुबे को थाने से बाहर लाकर जेल ले जाने का अपने मोबाइल से वीडियो बना रहे थे। वह इस बात से बिल्कुल बेखबर थे कि उनके सामने तिहरे हत्याकांड का आरोपी है।

**प्रधान आरक्षक अरविंद तोमर :** हनी दुबे के हाथों में बंधी रस्सी को पकड़े हुए थे। बाद में उन्होंने रस्सी को हनी को ही पकड़ा दिया था। हनी बिल्कुल फ्री हो गया था और उसके ऊपर कोई पहरा जैसे लग ही नहीं रहा था।

**आरक्षक चन्द्रशेखर शर्मा :** पहले हनी दुबे के हाथों में बंधी रस्सी को चन्द्रशेखर पकड़े थे। जब उन्होंने देखा कि प्रधान आरक्षक शिशुपाल वीडियो बना रहे हैं तो आरक्षक से रस्सी लेकर अरविंद ने पकड़ ली। बाद में चन्द्रशेखर हनी को लेकर थाने के बाहर खड़ी एफआरवी में बैठाने लगा तभी वह दूसरी ओर का दरवाजा खोलकर भाग गया।

### घर में प्लाई से ढंक लिया था स्वयं को

मानसिक आरोग्यशाला के चिकित्सक अनिल दौहरे के सूने मकान को देखकर आरोपी उनके घर में घुस गया और उसने अपनी शर्ट उतार ली। हनी ने कमरे में स्वयं को लकड़ी की प्लाई से ढंक लिया था ताकि उसके ऊपर पुलिस की नजर नहीं पड़े। पुलिस हनी को घर में तलाश कर रही थी, लेकिन वह कहीं नजर नहीं आ रहा था। जैसे ही प्लाई को हटाया वह बैठा हुआ मिल गया।

## विद्यालयों में एआई साक्षर किया जाएगा विद्यार्थियों को, पोर्टल शुरू किया

**ग्वालियर।** केंद्र सरकार द्वारा विद्यालयों में विद्यार्थियों को एआई साक्षर बनाने के लिए अभियान शुरू किया गया है। यह अभियान समग्र शिक्षा अभियान के तहत चलाया जा रहा है। इस अभियान को लेकर अपर परियोजना संचालक नंदा भलावे कुशरे ने (एआई) का उपयोग शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार सहित विभिन्न क्षेत्रों में तीव्र गति से बढ़ रहा है। ऐसे परिदृश्य में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का एआई साक्षर होना महत्वपूर्ण आवश्यकता है, जिससे वह नवीन तकनीक का प्रभावशाली उपयोग कर सकें।

## हजार बिस्तर अस्पताल में एक्सरे मशीन में चिंगारी से काम ठप

● मरीज घंटों रहे परेशान, दो मशीनों पर ही हुआ काम

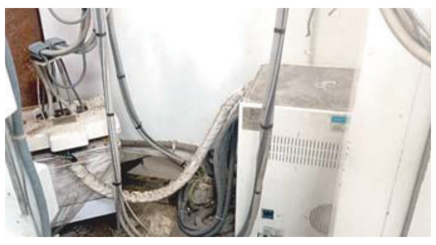

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

जयारोग्य चिकित्सालय समूह के हजार बिस्तर अस्पताल के रेडियोलॉजी विभाग में गुरुवार को एक डिजिटल एक्स-रे मशीन से अचानक चिंगारी निकलने के बाद उसे तत्काल बंद करना पड़ा। सुरक्षा कारणों से मशीन का संचालन रोक दिए जाने के कारण पूरे विभाग की व्यवस्था प्रभावित हो गई। पहले से सीमित संसाधनों के बीच केवल दो मशीनों के सहारे एक्स-रे जांच जारी रहने से मरीजों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और विभाग के बाहर लंबी कतारें लग गईं।

जानकारी के अनुसार अस्पताल के कई विभागों में एयर कंडीशनिंग व्यवस्था पिछले कुछ समय से प्रभावी ढंग से काम नहीं कर रही है। रेडियोलॉजी विभाग में स्थापित हाई-टेक डिजिटल एक्स-रे मशीनों के सुचारु संचालन के लिए नियंत्रित तापमान आवश्यक होता है, लेकिन पर्याप्त कूलिंग नहीं मिलने से मशीनों का तापमान लगातार बढ़ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार अधिक गर्मी के कारण मदरबोर्ड और अन्य इलेक्ट्रॉनिक पुर्जों के क्षतिग्रस्त होने का खतरा बढ़ जाता है। संभावना जताई गई है कि गुरुवार को अत्यधिक तापमान के कारण ही मशीन से चिंगारी निकली है। मशीन बंद होने के बाद विभाग में उपलब्ध केवल दो एक्स-रे मशीनों पर ही जांच की गई, जिससे कार्य की गति धीमी हो गई और मरीजों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा। इस संबंध में जयारोग्य के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. मनीष चतुर्वेदी ने कहा कि मशीन में आई तकनीकी समस्या की जांच कराई जाएगी। यदि किसी प्रकार की कमी पाई जाती है तो उसे प्राथमिकता के आधार पर दूर कर एक्स-रे सेवाओं को पूरी तरह सुचारु बनाया जाएगा।

# आर्मी अधिकारी बनकर ठग ने कार बेचने का झांसा देकर 1.13 लाख ठगे

### ओएलएक्स पर कार बेचने का देखा था विज्ञापन

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

ओएलएक्स पर सेकेंड हैंड कार बेचने का झांसा देकर ठग ने एक युवक को एक लाख रुपए से ज्यादा की चपत लगा दी। ठग ने स्वयं को आर्मी अधिकारी बताया और अपनी पुरानी कार को बेचने की बात फरियादी से कही। ठग ने होम डिलीवरी के बहाने अपने खाते में रकम को स्थानांतरित करवा लिया। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने ऑनलाइन शिकायत की। इसके बाद पुलिस ने भी धोखाधड़ी के मामले की जांच प्रारंभ कर दी है।

सिरोल थाना क्षेत्र स्थित कादंबरी नगर के रहने वाले अनुराग पुत्र रामअवतार शर्मा (39 वर्ष) 6 जुलाई को शाम के समय मोबाइल देख रहे थे। उनकी नजर ओएलएक्स पर 1.50 लाख रुपए में स्विफ्ट डिजायर कार के विज्ञापन पर पड़ी। उन्होंने 7 जुलाई को विज्ञापन में दिए नंबर पर फोन लगाकर बात की तो उसने अपना नाम रंजीत सिंह और स्वयं को सेना का अधिकारी बताया और कहा कि वह इस आगरा कैंट में पदस्थ है। सेना का अधिकारी बताने वाले ने अपनी प्रोफाइल पर सेना के जवानों का फोटो लगाया हुआ था। अनुराग ने विश्वास कर लिया और उसे कार पंसद आने पर सौदा तय हुआ।

अनुराग को शातिर ठग ने कार की फोटो और आरसी भेज दी। ठग ने पहले अपना बैंक डिटेल और क्यूआर कोड भेजा तो पीड़ित ने भी उसे अपना आधार कार्ड और पेन कार्ड की फोटोकॉपी भेज दी। क्यूआर कोड पर ठग ने कार को ट्रांसफर और होम डिलीवरी के नाम पर 5 हजार रुपए अपने खाते में स्थानांतरित करा लिए।

ठग को अनुराग ने गूगल पे, फोनपे और आईएमपीएस के माध्यम से 1 लाख 13 हजार 500 रुपए 17 बार में ठग को भेजे। एक लाख से ज्यादा रकम देने के बाद भी ठग ने एक बार फिर 26,500 रुपए मांगे। संदेह होने के बाद भी पीड़ित कार आने का इंतजार करने लगे लेकिन शाम तक कार उनके घर तक नहीं पहुंची और जब ठग से सम्पर्क करने का प्रयास किया तो उसका फोन बंद आ रहा था। ठगी का शिकार पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। सिरोल थाना पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ठग की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

## चार अधिकारियों का वेतन काटने और एक को सेवा से हटाने के निर्देश

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

जिलाधीश रुचिका चौहान ने स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं और पोषण कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में कुपोषण, एनीमिया, डेंगू नियंत्रण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य और गर्भवती महिलाओं के पंजीयन की विस्तृत समीक्षा की गई।

जिलाधीश ने हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत पंजीयन, समग्र आईडी निर्माण और पोर्टल पर समय पर जानकारी दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रसव संभावित तिथि से सात दिन पहले गर्भवती महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराने तथा आवश्यकता पड़ने पर रेडक्रॉस के माध्यम से परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने को कहा। डबरा और भितरवार में अस्पतालों में स्थान की कमी होने पर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में गंभीर एनीमिया से प्रभावित गर्भवतियों की निगरानी, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने, डेंगू प्रभावित क्षेत्रों में विशेष सर्वे, फॉगिंग और रोकथाम अभियान तेज करने पर जोर दिया गया। पोषण ट्रैकर एप पर कुपोषित मिले बच्चों का मुख्यमंत्री बाल संवर्धन कार्यक्रम के तहत शत-प्रतिशत पंजीयन कराने और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। लापरवाही पर जिलाधीश ने चार अधिकारियों का वेतन काटने, शहरी स्वास्थ्य संस्था के प्रभारी चिकित्सक का सात दिन का वेतन रोकने तथा संतोषजनक जवाब नहीं देने पर एक एपीएन को सेवा से पृथक करने के निर्देश दिए।

## हॉकर्स यूनियन ने आजाद को किया याद

**ग्वालियर।** भगत सिंह अखबार हॉकर्स यूनियन द्वारा गुरुवार को जयेंद्रगंज चौराहे पर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर याद किया गया। कार्यक्रम में वक्ता के रूप में कृष्ण पाल सिंह परमार एवं रूपेश जैन ने अपनी बात रखी। गैर समझौता वादी विचार धारा के महान क्रांतिकारी शहीद चंद्रशेखर आजाद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगत सिंह अखबार हॉकर्स यूनियन हमेशा क्रांतिकारियों को अपना आदर्श मानती है। उनके विचारों पर चलने का पूर्ण प्रयास कर रही है। उनके लिए देश सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं था। उनकी एक कहावत है कि दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे, आजाद ही रहे है, आजाद ही रहेंगे और आजाद ही मरेंगे। संचालन यशपाल सिंह परमार ने किया।

### खराब नाम पट्टिकाएं ठीक कराने लिखा पत्र

**ग्वालियर।** शहर में स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं पर खराब और जीर्ण-शीर्ण हो चुकी नाम पट्टिकाओं को ठीक कराने के लिए नगर निगम परिषद अध्यक्ष मनोज तोमर ने निगमायुक्त संघ प्रिय को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने शहर के सभी स्थलों का निरीक्षण कर खराब पट्टिकाओं को दुरुस्त कराने के निर्देश देने का आग्रह किया है, ताकि महापुरुषों के सम्मान में लगी पट्टिकाएं व्यवस्थित रह सकें।

# श्वान ने छात्र को काटा, शिकायत करने पर पिता-पुत्र को पीटा

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

उपनगर ग्वालियर थाना क्षेत्र में श्वान ने एक नाबालिग छात्र को उस समय काट लिया जब वह अपने पिता को खाना देने जा रहा था। जब श्वान मालिक से पिता शिकायत करने पहुंचा तो मालिक और उसके बेटे ने जमकर धुनाई कर दी। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर घटना की जांच शुरू कर दी है।

घासमंडी गोविंदपुर के रहने वाला प्रियांशु राठौर (14 वर्ष) विगत दिवस अपने पिता राजकुमार राठौर को साइकिल से खाना देने जा रहा था। प्रियांशु शुक्ला होटल के सामने वाली गली में पहुंचा था, तभी वहां गली में लाला पंडित अपने पालतू श्वान को लेकर बैठा हुआ था। श्वान ने नाबालिग को देखते ही पैर में काट लिया। बताया गया है कि लाला ने अपने श्वान को काटने के लिए उकसाया था। श्वान के काटने से नाबालिग रोने लगा और उसके पैर से खून निकलने लगा। जब प्रियांशु के पिता को घटना का पता चला तो वह बेटे को लेकर लाला पंडित के घर पहुंचे। राजकुमार से लाला पंडित की बहस होने पर उसके पिता बल्लो भी आ गया और फिर दोनों ने मिलकर राजकुमार की जमकर मारपीट कर दी। किसी तरह लोगों ने पीड़ित को बचाया। राजकुमार अपने बेटे को लेकर थाने पहुंचा और पुलिस को घटना के बारे में बताया। पुलिस ने प्रियांशु की शिकायत पर पिता-पुत्र के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

# जीडीए के सीईओ और अधिवक्ता को आपराधिक अवमानना के नोटिस

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर खण्डपीठ ने ग्वालियर गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित बनाम मध्य प्रदेश शासन एवं अन्य (याचिका क्रमांक 47023/2025) मामले में सुनवाई के दौरान ग्वालियर विकास प्राधिकरण (जीडीए) के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और अधिवक्ता राजकुमार मिश्रा के आचरण पर गंभीर नाराजगी व्यक्त की है। न्यायालय ने दोनों के विरुद्ध आपराधिक अवमानना की कार्रवाई प्रारंभ करने के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

### लोकायुक्त जांच पर भी नजर

सुनवाई के दौरान राज्य शासन के शहरी विकास एवं आवास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने हलफनामा प्रस्तुत कर बताया कि मामले की जांच लोकायुक्त संगठन में लंबित है तथा न्यायालय को दिए गए आश्वासन के अनुसार 15 दिनों के भीतर जांच पूरी करने के प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि, याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि पूरी जांच प्रक्रिया केवल औपचारिकता बनकर रह गई है, क्योंकि जिस अधिकारी के खिलाफ जांच होनी है, उसी जीडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। न्यायालय ने इस पर तत्काल टिप्पणी करने से परहेज किया, लेकिन स्पष्ट किया कि अंतिम जांच रिपोर्ट और उसके बाद की कार्रवाई अतिरिक्त मुख्य सचिव की निगरानी में तैयार होकर उनके शपथपत्र के माध्यम से न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने 20 जुलाई 2026 को हुई सुनवाई में कहा कि रिकॉर्ड पर उपलब्ध तथ्यों से यह प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि न्यायालय की कार्यवाही को प्रभावित करने और मामले को एक पीठ से दूसरी पीठ में स्थानांतरित कराने का प्रयास किया गया। आदेश में इसे न्यायालय के सुचारू संचालन में हस्तक्षेप की श्रेणी का मामला माना गया है, जो न्यायालय की अवमानना अधिनियम, 1971 की धारा 2 (सी) के अंतर्गत आपराधिक अवमानना का विषय बन सकता है। न्यायालय ने सीईओ द्वारा राजकुमार मिश्रा को पैनल के तीसरे अभिभाषक के रूप में प्रस्तुत करने को गंभीर त्रुटि माना क्योंकि 14 जनवरी 2026 को राघवेन्द्र दीक्षित एवं अंकित सक्सेना द्वारा वकालत नामा प्रस्तुत किया गया था जिसमें मिश्रा का नाम नहीं था। 25 जून 2026 को इसमें मिश्रा का नाम गलत तरीके से जोड़ दिया गया।

**हलफनामा दाखिल करने के आदेश :-** न्यायालय ने जीडीए के सीईओ एवं अधिवक्ता राजकुमार मिश्रा को नोटिस जारी कर पूछा है कि उनके विरुद्ध आपराधिक अवमानना की कार्रवाई क्यों न प्रारंभ की जाए। दोनों को 5 अगस्त 2026 को न्यायालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है।

नाट्यशास्त्र की प्रासंगिकता पर मंथन

# प्रेमचंद की 'बड़े भाई साहब' की सजीव प्रस्तुति ने जीता दर्शकों का मन

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

भारतीय रंगपरंपरा, नाट्य सौंदर्य और जीवन मूल्यों के संरक्षण के उद्देश्य से संस्कार भारती के मंचीय कला विभाग द्वारा गुरुवार को नई सड़क स्थित राष्ट्रोत्थान न्यास के विवेकानंद सभागार में मासिक नाट्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय नाट्य परंपरा की समृद्ध विरासत पर गंभीर विमर्श हुआ, वहीं प्रसिद्ध कथाकार मुंशी प्रेमचंद की कालजयी रचना 'बड़े भाई साहब' की प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान नटराज के पूजन एवं अतिथियों के सम्मान के साथ हुआ। संस्कार भारती द्वारा आयोजित इस मासिक श्रृंखला का उद्देश्य भारतीय कला, संस्कृति और रंगपरंपरा के विविध आयामों पर संवाद स्थापित करना है।संगोष्ठी का मुख्य विषय 'वर्तमान समय में नाट्यशास्त्र की प्रासंगिकता' रहा। विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने अपने व्याख्यान में कहा कि नाट्यशास्त्र केवल अभिनय की विधा नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन, संस्कृति, संवेदनाओं और सामाजिक चेतना का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि बदलते समय में भी रंगमंच समाज को विचार, संस्कार और संवेदनशीलता प्रदान करने की महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

संगोष्ठी के उपरांत मुंशी प्रेमचंद की बहुचर्चित कहानी 'बड़े भाई साहब' पर आधारित नाटक का मंचन किया गया। कलाकारों ने बड़े भाई की गंभीरता, अनुशासनप्रियता और छोटे भाई की सहज, चंचल तथा बालसुलभ प्रवृत्ति को अत्यंत स्वाभाविक एवं प्रभावशाली अभिनय से जीवंत कर दिया। संवादों की सहजता, मंच-संयोजन और भावपूर्ण प्रस्तुति ने दर्शकों को कहानी के मर्म से जोड़ दिया। नाटक ने यह संदेश भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया कि जीवन में केवल पुस्तकीय ज्ञान ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि अनुभव, व्यवहार, संतुलन और पारिवारिक संस्कार भी सफलता के महत्वपूर्ण आधार हैं। दर्शकों ने प्रस्तुति की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन मंचीय कला संयोजक डॉ. विकास विपट ने किया। इस अवसर पर संस्कार भारती के महामंत्री चंद्रप्रताप सिकरवार, प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. सुनील पावगी, शेखर दीक्षित, प्रदीप दीक्षित, आशुतोष वाजपेयी सहित बड़ी संख्या में कला प्रेमी और नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने भारतीय रंगमंच की सांस्कृतिक गरिमा और साहित्य की शाश्वत प्रासंगिकता को एक बार फिर सजीव रूप में अभिव्यक्त किया।

# अवैध रेत पर कार्रवाई, ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

### विक्की फैक्ट्री तिराहा व हुरावली चौराहे सहित कई स्थानों पर संयुक्त टीम का छापा

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

जिले में अवैध रेत उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ प्रशासन ने गुरुवार सुबह कार्रवाई करते हुए रेत से भरे 10 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए। जिलाधीश रुचिका चौहान के निर्देश पर सुबह लगभग सात बजे अनुविभागीय दंडाधिकारी झांसी रोड अतुल सिंह के नेतृत्व में राजस्व, खनिज और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने विक्की फैक्ट्री तिराहा, हुरावली चौराहा सहित विभिन्न स्थानों पर छापामार कार्रवाई की।

प्रभारी खनिज अधिकारी घनश्याम यादव ने बताया कि कार्रवाई के दौरान अवैध और ओवरलोड रेत का परिवहन करते पाए गए सात ट्रैक्टर-ट्रॉली झांसी रोड थाना क्षेत्र से जब्त किए गए। वहीं सिरोल थाना क्षेत्र से तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी गईं। सभी जब्त वाहनों को संबंधित पुलिस थानों की अभिरक्षा में सौंप दिया गया है। उन्होंने बताया कि अवैध रेत कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध खनिज अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई में एसडीएम अतुल सिंह, तहसीलदार कुलदीप दुबे, प्रभारी खनिज अधिकारी घनश्याम यादव सहित राजस्व विभाग और पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

# डिग्री से आगे की सोच...

# बदलते दौर में कॅरियर की नई जरूरतें

हर वर्ष लाखों विद्यार्थी 12वीं के बाद कॉलेज में प्रवेश लेते हैं। अधिकांश छात्र और अभिभावक इस बात पर ध्यान देते हैं कि कॉलेज कितना बड़ा है, उसकी फीस कितनी है या कौन-सा कोर्स सबसे लोकप्रिय है। लेकिन आज के समय में सफलता केवल किसी डिग्री से तय नहीं होती। असली अंतर इस बात से पड़ता है कि जिस संस्थान में छात्र पढ़ने जा रहा है, वहां उसे सीखने, कौशल विकसित करने, उद्योगों से जुड़ने और अपने व्यक्तित्व को निखारने के कितने अवसर मिलते हैं।

**डॉ. प्रतीक जैन**
डायरेक्टर,
एडमिशन, सेज
विश्वविद्यालय, इंदौर

**दुनिया** तेजी से बदल रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन, डेटासाइंस और डिजिटलटेक्नोलॉजी ने लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित किया है। कंपनियों की अपेक्षाएं भी पहले जैसी नहीं रहीं। अब वे ऐसे युवाओं की तलाश में हैं जो केवल किताबों का ज्ञान न रखते हों, बल्कि नई परिस्थितियों में काम करना जानते हों, समस्याओं का समाधान निकाल सकें और लगातार सीखने के लिए तैयार रहें।

यही कारण है कि आज केवल कॉलेज का नाम या डिग्री पर्याप्त नहीं है। विद्यार्थियों को यह देखना चाहिए कि जिस संस्थान में वे प्रवेश ले रहे हैं, वहां उद्योगों से कितना जुड़ाव है, इंटर्नशिप की व्यवस्था कैसी है, कौशल विकास पर कितना ध्यान दिया जाता है और विद्यार्थियों को वास्तविक कार्य अनुभव किस प्रकार दिया जाता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में एम्प्लॉयबिलिटी यानी रोजगार योग्य बनने की क्षमता सबसे महत्वपूर्ण होगी। इसके लिए तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क, समय प्रबंधन और निर्णय लेने की योग्यता भी उतनी ही आवश्यक है। कई बड़ी कंपनियां अब इंटरव्यू के दौरान इन गुणों को शैक्षणिक अंकों के बराबर महत्व देती हैं। आज उच्च शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा पास कराना नहीं है। एक अच्छा विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को शोध, नवाचार, स्टार्टअप, उद्योगों के साथ लाइवप्रोजेक्ट, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ता है। यही अनुभव विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करता है।

विद्यार्थियों को यह भी समझना होगा कि आने वाले समय में करियर एक ही क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। उदाहरण के लिए, एक इंजीनियर को प्रबंधन की समझ भी होनी चाहिए, एक कॉमर्स छात्र को डिजिटल तकनीक का ज्ञान होना चाहिए और एक पत्रकार को डेटा विश्लेषण तथा डिजिटल मीडिया की जानकारी होनी चाहिए। बहु-विषयक शिक्षा आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है।

आज भारत विश्व की सबसे युवा आबादी वाला देश है। यह अवसर भी है और चुनौती भी। जो विद्यार्थी समय के साथ स्वयं को अपडेट करते रहेंगे, नई तकनीकों को सीखेंगे और व्यवहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे, वही भविष्य में सबसे अधिक सफल होंगे।

## सफलता का रास्ता सीखने से होकर गुजरता है

आज का विद्यार्थी केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि भविष्य का नवप्रवर्तक, उद्यमी और नेतृत्वकर्ता भी हो सकता है। इसके लिए जरूरी है कि वह अपने भीतर सीखने की आदत विकसित करे और बदलाव को अपनाने के लिए तैयार रहे। डॉ. प्रतीक जैन का मानना है कि उच्च शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति त्व निर्माण, कौशल विकास और जीवन की दिशा तय करने का अवसर है। यदि विद्यार्थी सही संस्थान, सही वातावरण और सही मार्गदर्शन का चुनाव करते हैं, तो वे न केवल अपने करियर में सफलता प्राप्त करते हैं, बल्कि समाज और देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

## विद्यार्थियों के प्रश्न

- **प्रश्नः क्या कॉलेज चुनते समय केवल प्लेसमेंट देखना चाहिए?**

**उत्तरः** नहीं। प्लेसमेंट महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे पहले यह देखना चाहिए कि संस्थान विद्यार्थियों को प्लेसमेंट के लिए तैयार कैसे करता है। उद्योगों से जुड़ाव, इंटर्नशिप, स्किल ट्रेनिंग और व्यक्तित्व विकास भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

- **प्रश्नः क्या आज भी सरकारी नौकरी ही सबसे अच्छा विकल्प है?**

**उत्तरः** सरकारी नौकरियां आज भी सम्मानजनक करियर हैं, लेकिन निजी क्षेत्र, स्टार्टअप, रिसर्च, डिजिटलबिजनेस और उद्यमिता में भी तेजी से अवसर बढ़ रहे हैं। विद्यार्थियों को अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार निर्णय लेना चाहिए।

- **प्रश्नः क्या कॉलेज के दौरान इंटर्नशिप जरूरी है?**

**उत्तरः** बिल्कुल। इंटर्नशिप विद्यार्थियों को वास्तविक कार्य अनुभव देती है, आत्मविश्वास बढ़ाती है और नौकरी मिलने की संभावनाओं को मजबूत बनाती है।

- **प्रश्नः क्या केवल अंग्रेजी अच्छी होने से नौकरी मिल जाती है?**

**उत्तरः** नहीं। अच्छी भाषा महत्वपूर्ण है, लेकिन उसके साथ विषय का ज्ञान, व्यवहारिक कौशल, आत्मविश्वास और समस्या समाधान की क्षमता भी आवश्यक है।

- **प्रश्नः क्या भविष्य में हर क्षेत्र में तकनीक का प्रभाव रहेगा?**

**उत्तरः** हां। चाहे कृषि हो, स्वास्थ्य, कानून, मीडिया, व्यापार या शिक्षा–हर क्षेत्र में तकनीक का उपयोग बढ़ रहा है। इसलिए विद्यार्थियों को डिजिटल कौशल अवश्य सीखना चाहिए।

- **प्रश्नः सही कॉलेज चुनते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?**

**उत्तरः** मान्यता (UGC/NAAC), अनुभवी फैकल्टी, उद्योगों से जुड़ाव, शोध एवं नवाचार, प्लेसमेंट रिकॉर्ड, इंटर्नशिप, आधुनिक प्रयोगशालाएं, छात्र सहायता सेवाएं और कैंपस का सीखने का वातावरण।

# डाटा साइंस में रोजगार की अपार संभावनाएं

कभी आईटी तक सीमित डाटा साइंस एवं एनालिटिक्स स्किल अब हर उद्योग की जरूरत है। इस क्षेत्र में कुशल पेशेवरों की कमी भी महसूस की जा रही है, क्योंकि एआई के बढ़ते इस्तेमाल ने डाटा स्किल को भी बदला है। डाटा साइंस क्षेत्र में कैसे मिलेगी नौकरी? कैसी पढ़ाई की जाए और कैसा प्रशिक्षण लिया जाए?

कॅरियर की बदलती दुनिया में डाटा को भविष्य का ईंधन कहा जा रहा है। वहीं, वर्तमान में कंपनियों को ऐसे विशेषज्ञों की जरूरत है, जो लाखों आंकड़ों में छिपे पैटर्न को समझकर कारोबार को सही दिशा दे सकें। नैसकॉम के अनुसार डाटा एनालिटिक्स और डाटा साइंस के क्षेत्र में स्किल गैप भी बड़ा है, जो करीब 51 प्रतिशत का है। यानी कुशल युवाओं की जरूरत महसूस की जा रही है। विश्व आर्थिक मंच की एक रिपोर्ट के अनुसार, बिग डाटा विशेषज्ञ तेजी से बढ़ने वाले पेशों में शामिल है।

**सीमाओं से आगे अवसर :** अमेरिका, यूरोप, सिंगापुर व पश्चिम एशिया जैसे बाजारों में भी डाटा विशेषज्ञों की मांग बढ़ रही है। भारत में बढ़ते ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स और रिमोट वर्क के चलन से युवाओं के लिए वैश्विक करियर के नए रास्ते खुले हैं। बैंकिंग सेक्टर से लेकर स्मार्ट फार्मिंग तक डाटा आधारित फैसले तेजी से बढ़ रहे हैं।

## कहां से करें कोर्स

विभिन्न आईआईटी, आईआईएससी, आईएसआई और एनआईटी समेत कई संस्थान डाटा साइंस से जुड़े पाठ्य म चला रहे हैं। आईआईटी मद्रास का बीएस इन डाटा साइंस एंड एप्लीकेशंस और आईआईआईटी हैदराबाद के डाटा साइंस से जुड़े पाठ्य म इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले छात्रों के बीच लोकप्रिय हैं। इस क्षेत्र में टेक्नोलॉजी और आईटी क्षेत्र की कंपनियां जैसे गूगल, फेसबुक सबसे बड़ी नियोक्त ा हैं, जहां डाटा का उपयोग यूजर अनुभव और प्रोडक्ट डेवलपमेंट के लिए किया जाता है। साथ ही बैंकिंग ऐंड फाइनेंस, हेल्थकेयर, ई-कॉमर्स, टेलीकॉम जैसे उद्योगों में भी बेहद मांग है।

## ऑटोमेशन बदल रहा तस्वीर

एआई और ऑटोमेशन के उपयोग के साथ ही डाटा स्किल से संबंधित नौकरियों का स्वरूप भी बदल रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार अब केवल एल्गोरिदम बनाने वाले डाटा साइंटिस्ट की मांग कम होगी और ऐसे प्रोडक्ट इंजीनियर्स की मांग ज्यादा होगी, जो डाटा साइंस का उपयोग करके सीधे व्यावहारिक बिजनेस उत्पाद और समाधान तैयार कर सकें। इसीलिए अब डाटा एनालिटिक्स के कौशल के साथ अपने डोमेन एरिया की गहन जानकारी भी जरूरी हो गई है।

## किन भूमिकाओं की बढ़ेगी मांग

भविष्य में डाटा साइंस के साथ एआई/एमएल इंजीनियर, एलएलएम विशेषज्ञ, एमएल ऑप्स इंजीनियर, डाटा इंजीनियर, डाटा आर्किटेक्ट, डाटा एनालिटिक्स, एआई एथिक्स विशेषज्ञ और डोमेन आधारित डाटा साइंटिस्ट जैसी भूमिकाओं की मांग बढ़ने की उम्मीद है। कंपनियां अब एआई मॉडल को केवल तैयार करने के बजाय उन्हें अपने डाटा के अनुसार बेहतर बनाने, सुरक्षित रखने और बिजनेस जरूरतों से जोड़ने पर ध्यान दे रही हैं। इस कारण ऐसे पेशेवरों की मांग बढ़ रही है, जो डाटा, एआई तकनीक और किसी खास क्षेत्र की समझ को एक साथ इस्तेमाल कर सकें।

**क्या सीखें :** मशीन लर्निंग, एलएलएम, जनरेटिव एआई, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग, डाटा इंजीनियरिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग, डाटा सिक्योरिटी और डाटा प्राइवेसी जैसी तकनीकी कौशल भी जोड़ें।

**शुरुआत कैसे करें :** डाटा साइंस में करियर बनाने के लिए गणित, सांख्यिकी और प्रोग्रामिंग की मजबूत बुनियाद जरूरी है। 12वीं के बाद कंप्यूटर साइंस, डाटा साइंस, स्टैटिस्टिक्स, मैथ्स या इससे जुड़े ग्रेजुएशन के कोर्स चुने जा सकते हैं। पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री (एमएससी, एमटेक) के साथ संभावनाएं और बढ़ती हैं। स्टैटिस्टिक्स, इकोनॉमिक्स, कॉमर्स जैसे विषयों के छात्र भी जरूरी तकनीकी कौशल सीखकर इस क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं।

**वेतन कितना :** शुरुआती दौर में डाटा एनालिस्ट को 4-8 लाख और डाटा साइंटिस्ट को 7-15 लाख रुपए सालाना तक मिलते हैं।

# Lifestyle

प्रसिद्ध शिक्षक बोले- हर बच्चे की अपनी रुचि और क्षमता होती है, असफलता पर डांट नहीं, भरोसा और सहयोग दें

# अपने बच्चों पर अपनी अधूरी उम्मीदें न थोपें: दिव्यकीर्ति

प्रसिद्ध शिक्षक और दृष्टि संस्थान के संस्थापक विकास दिव्यकीर्ति ने कहा है कि माता-पिता को बच्चों से अवास्तविक और अत्यधिक अपेक्षाएं नहीं रखनी चाहिए। उनका मानना है कि हर बच्चे की अपनी रुचि, क्षमता और जीवन को देखने का अलग नजरिया होता है। इसलिए उस पर अपनी महत्वाकांक्षाएं थोपने के बजाय उसे अपनी पसंद का रास्ता चुनने की स्वतंत्रता देनी चाहिए।

**एक** संवाद के दौरान उन्होंने कहा, मैं यह क्यों मानूं कि मेरे बच्चे देवी-देवता पैदा होंगे? जीन तो मेरे ही हैं। फिर मैं इतनी ज्यादा उम्मीदें क्यों पालूं? मैं क्यों चाहूं कि मेरा बच्चा प्रशासनिक सेवा में शीर्ष स्थान हासिल करे? उसका मन होगा तो वह करेगा, नहीं होगा तो कोई बात नहीं। अगर वह कहे कि उसे नया कारोबार शुरू करना है या निजी क्षेत्र में काम करना है, तो वह वही करे। मैं क्यों उसका ठेकेदार बनूं? मैं क्यों चाहूं कि वह मेरे रास्ते पर चले या मुझसे बेहतर ही बने?

बच्चों पर माता-पिता की अपेक्षाओं का अनावश्यक दबाव नहीं होना चाहिए। हर बच्चे की प्रतिभा और रुचि अलग होती है। यदि उसे अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा, तभी वह बेहतर प्रदर्शन कर सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों से हर समय सर्वश्रेष्ठ या पूर्ण होने की अपेक्षा करना उचित नहीं है।

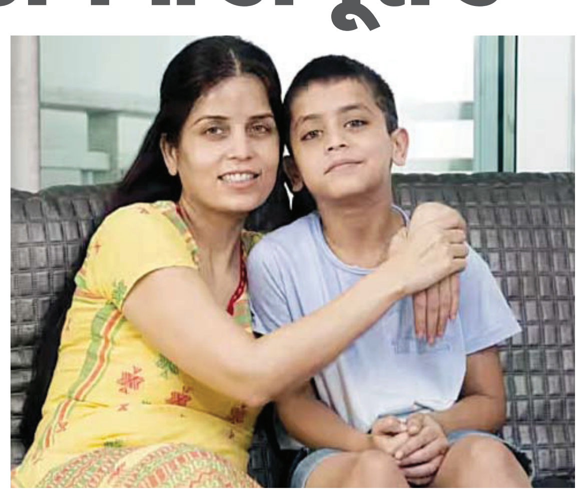

## असफलता पर नहीं, हौसले पर दें जोर

विकास दिव्यकीर्ति ने मध्यप्रदेश के सागर के एक पिता का उदाहरण भी साझा किया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 में उन्होंने एक समाचार पढ़ा था, जिसमें एक छात्र दसवीं कक्षा में असफल हो गया था। पिता को चिंता थी कि बेटे का मजाक उड़ाया जाएगा और उस पर मानसिक दबाव बढ़ेगा। ऐसे में उन्होंने बेटे को डांटने के बजाय उसके समर्थन में एक छोटी-सी पार्टी आयोजित की।

पार्टी में उन्होंने रिश्तेदारों और बच्चों के सामने कहा कि उनके बेटे ने मेहनत की थी, लेकिन इस बार सफल नहीं हो पाया। इसमें शर्म की कोई बात नहीं है और पूरा परिवार उसके साथ खड़ा है। उन्होंने विश्वास जताया कि बेटा अगले वर्ष और अधिक मेहनत कर सफल होगा।

## माता-पिता का साथ सबसे बड़ी ताकत

विकास दिव्यकीर्ति ने कहा कि अक्सर परीक्षा में असफल होने या कम अंक आने पर बच्चे सबसे अधिक अपने माता-पिता की प्रतिक्रिया से डरते हैं। यदि ऐसे समय में उन्हें डांटने, अपमानित करने या मारने के बजाय सहयोग दिया जाए, तो उनका आत्मविश्वास बना रहता है और वे दोबारा मेहनत करने के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को यह महसूस होना चाहिए कि उनकी सफलता और असफलता, दोनों परिस्थितियों में परिवार उनके साथ खड़ा है। यही विश्वास उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाता है और जीवन की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति देता है।

देर से घर लौटते बेटे और मां की चिंता...टीनएजर्स की समस्या

# टीनएज में संवाद की कमी बढ़ाती है दूरियां डांट नहीं, संवाद रिश्तों को बनाता है मजबूत

टीनएज ऐसा दौर होता है, जब बच्चे अपनी स्वतंत्रता को अधिक महत्व देने लगते हैं, जबकि माता-पिता उनकी सुरक्षा को लेकर अधिक चिंतित रहते हैं। इसी कारण छोटी-छोटी बातें भी कई बार बड़े विवाद का रूप ले लेती हैं। पेरेंटिंग कोच पुष्पा शर्मा का कहना है कि इस उम्र में रिश्तों को मजबूत बनाए रखने के लिए संवाद और एक-दूसरे की भावनाओं को समझना सबसे जरूरी है।

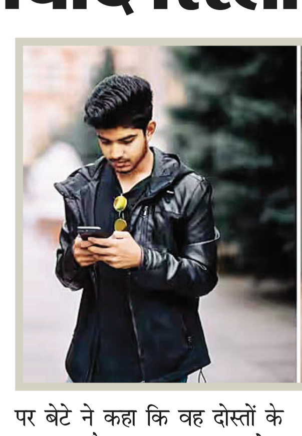

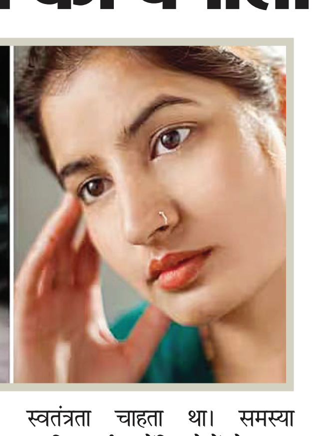

उन्होंने एक उदाहरण साझा करते हुए बताया कि 15 वर्षीय आर्यन एक रात नौ बजे तक घर नहीं लौटा। उसकी मां ने कई बार फोन किया, लेकिन बेटे ने कोई कॉल नहीं उठाया। कुछ देर बाद जब वह घर पहुंचा तो मां ने चिंता जताते हुए पूछा कि कम से कम एक संदेश ही कर देता। इस पर बेटे ने कहा कि वह दोस्तों के साथ था और हर बात का जवाब देना जरूरी नहीं है। बात बढ़ी और गुस्से में बेटा अपने कमरे में चला गया, जबकि मां की आंखों में आंसू आ गए।

**दोनों अपनी जगह सही थे-** पुष्पा के अनुसार, इस घटना में न मां गलत थीं और न बेटा। मां की चिंता स्वाभाविक थी, जबकि बेटा अपनी स्वतंत्रता चाहता था। समस्या इसलिए हुई क्योंकि दोनों ने एक-दूसरे की भावनाओं को समझने की कोशिश नहीं की। उन्होंने कहा कि यदि मां केवल यह कहतीं, मैं बहुत घबरा गई थी, अगली बार बस एक संदेश कर देना, और बेटा जवाब देता, माफ करना मम्मी, आपको मेरी वजह से चिंता हुई होगी, तो विवाद की नौबत नहीं आती।

## भावनाओं को समझना जरूरी

विशेषज्ञ का कहना है कि टीनएज में माता-पिता और बच्चों के बीच मतभेद प्यार की कमी से नहीं, बल्कि संवाद की कमी से पैदा होते हैं। माता-पिता अक्सर तुरंत टोकने लगते हैं, जबकि उन्हें पहले बच्चे की भावनाओं और परिस्थिति को समझने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि बच्चों पर हर समय नियंत्रण रखने के बजाय उनके साथ विश्वास का रिश्ता बनाया जाए। वहीं, बच्चों को भी माता-पिता की चिंता और जिम्मेदारियों को समझना चाहिए। बेहतर संवाद, आपसी सम्मान और भरोसा ही इस उम्र में रिश्तों को मजबूत बनाए रखने का सबसे प्रभावी तरीका है।

ब्रीदेबल और ट्रेंडी कॉटन कुर्ता सेट लुभा रहे

# उमस के मौसम में कॉटन सूट देंगे स्टाइलिश और आरामदायक लुक, बनेंगे पहली पसंद

बरसात के मौसम में उमस और पसीने के कारण कपड़ों का सही चुनाव बेहद जरूरी हो जाता है। ऐसे मौसम में कॉटन के सूट सबसे बेहतर विकल्प माने जाते हैं। ये हल्के, ब्रीदेबल और पसीना सोखने वाले होते हैं, जिससे पूरे दिन आराम का एहसास बना रहता है। फैशन विशेषज्ञों के अनुसार, कॉटन के स्टाइलिश कुर्ता सेट न केवल आरामदायक हैं, बल्कि ऑफिस, रोजमर्रा की दिनचर्या और पारिवारिक आयोजनों में भी आकर्षक लुक देते हैं।

**कॉलर वाली कुर्तीः** कॉलर डिजाइन वाली कॉटन कुर्ती इन दिनों काफी पसंद की जा रही है। हल्के प्रिंट, फैब्रिक बटन और पॉकेट वाली यह कुर्ती कार्यालय और दैनिक उपयोग के लिए उपयुक्त रहती है। इसे सादी पैंट के साथ पहनने पर संतुलित और स्मार्ट लुक मिलता है।

**अनारकली कॉटन सूटः** फ्लेयर वाले कॉटन अनारकली सूट हर अवसर पर आकर्षक लगते हैं। ऑलओवर प्रिंट, घेरदार डिजाइन और हल्के जॉर्जेट के दुपट्टे के साथ यह पहनावा पारंपरिक और आधुनिक लुक देता है।

**फ्लोरल प्रिंट का आकर्षणः** हैंडपेंटेड या फ्लोरल प्रिंट वाले कॉटन सूट मानसून में ताजगी का अहसास कराते हैं। इन्हें सादी पैंट और कॉटन के दुपट्टे के साथ पहनकर सहज और खूबसूरत लुक पाया जा सकता है।

**लेस और धागे की कढ़ाई वाला कुर्ताः** पारिवारिक समारोह या छोटे आयोजनों के लिए अच्छे विकल्प हैं। बेल स्लीव्स और हल्के ढीले फिटिंग वाले कुर्ते आराम के साथ स्टाइल भी देते हैं।

## सदाबहार फ्लोरल कुर्ता सेट

फ्लोरल कुर्ता सेट कभी फैशन से बाहर नहीं होते। हल्के रंग, प्रिंटेड दुपट्टे और डिजाइनर पैंट के साथ यह लुक हर उम्र की महिलाओं पर आकर्षक लगता है।

**जियोमेट्रिक डिजाइन भी लोकप्रियः** जो महिलाएं कुछ अलग पहनना चाहती हैं, उनके लिए जियोमेट्रिक प्रिंट वाले कॉटन कुर्ते अच्छा विकल्प हैं। वी-नेक, सामने बटन, कमर पर प्लेट्स और बेल स्लीव्स वाला डिजाइन आधुनिक और क्लासी लुक देता है। इसे सादी पैंट के साथ पहनकर स्टाइलिश और आरामदायक दोनों तरह का लुक पाया जा सकता है।

सूर्यवंशी बने टी20 इंटरनेशनल के सबसे युवा हाफ सेंचुरियन

# भारत ने जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हराया, वैभव बने जीत के हीरो

एजेंसी, हरारे

तेज गेंदबाजों मयंक यादव और प्रिंस यादव की धारदार गेंदबाजी के बाद वैभव सूर्यवंशी के अर्धशतक की बदौलत भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल में 7 विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही भारत ने लगातार सीरीज हार का सिलसिला तोड़ दिया जो उन्हें इंग्लैंड और ऑयरलैंड से मिली थी। मयंक और प्रिंस की बदौलत भारत ने यहां पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जिम्बाब्वे को 7 विकेट पर 125 रन पर रोक दिया। लगभग दो साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे मयंक ने 18 जबकि प्रिंस ने 19 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। रवि बिश्नोई और शिवम दुबे ने एक-एक विकेट हासिल किया। जिम्बाब्वे ने 14वें ओवर में 64 रन तक 5 विकेट गंवा दिए थे जिसके बाद वेस्ली माधेवेरे (39 रन, 34 गेंद, तीन चौके, एक छक्का) और ताडिवनाशे मरुमानी (नाबाद 27, 20 गेंद, दो चौके, एक छक्का) ने छठे विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी करके टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। इसके बाद सूर्यवंशी की 19 गेंदों पर 50 रन की पारी और ईशान किशन (24 गेंदों पर 35 रन, 3 चौके और 2 छक्के) व कप्तान श्रेयस अय्यर (24 गेंदों पर 28 रन, 3 चौके) की बदौलत 13.2 ओवर में 7 विकेट रहते जीत अपने नाम की। श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर जिम्बाब्वे को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया और गेंदबाजों ने कप्तान के फैसले को सही साबित करते हुए पावरप्ले में ही मेजबान टीम का स्कोर तीन विकेट पर 26 रन कर दिया।

## वैभव टी20 क्रिकेट में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने

जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल मैच में वैभव सूर्यवंशी ने अर्धशतक लगाकर बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। सूर्यवंशी टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड जिब्राल्टर के लुई ब्रूस के नाम था। वहीं फुल-मेंबर टीम के मामले में यह रिकॉर्ड रहमानुल्लाह गुरबाज के नाम था जिन्होंने 2019 में यह रिकॉर्ड बनाया था। गुरबाज ने भी जिम्बाब्वे के खिलाफ ही यह रिकॉर्ड बनाया था। सूर्यवंशी ने 15 वर्ष 118 दिन की उम्र में जिम्बाब्वे के खिलाफ अर्धशतक लगाकर यह उपलब्धि अपने नाम की। वहीं गुरबाज (फुल-मेंबर टीम) ने 17 साल 296 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं लुई ब्रूस ने 16 वर्ष 56 दिन में यह उपलब्धि हासिल की थी जब उन्होंने 2021 में माल्टा में अर्धशतक लगाया था।

### पहले टी 20 अर्धशतक के समय सबसे कम उम्र

- 15 वर्ष 118 दिन – वैभव सूर्यवंशी (भारत) बनाम जिम्बांबे, हरारे, 2026
- 16 वर्ष 56 दिन – लुई ब्रूस (जिब्राल्टर) बनाम माल्टा, अल्बर्टिया, 2021
- 16 वर्ष 76 दिन – कविन चड्ढा (इंडोनेशिया) बनाम स्वीडन, बाली, 2026
- 16 वर्ष 89 दिन – अलुसीन तुरे (सिएरा लियोन) बनाम घाना, बेनोनी, 2023
- 16 वर्ष 118 दिन – तेनजिन रबगी (भूटान) बनाम चीन, कुआलालंपुर, 2023
- फुल-मेंबर टीम के बल्लेबाज का पिछला रिकॉर्ड : 17 साल 296 दिन – रहमानुल्लाह गुरबाज (अफगानिस्तान) बनाम ज़िम्बाब्वे, चट्टोग्राम, 2019

# राष्ट्रमंडल खेल : भारत ने महिला पेयर्स बॉल्स स्पर्धा में माल्टा को टाई-ब्रेक में हराया

एजेंसी, ग्लास्गो

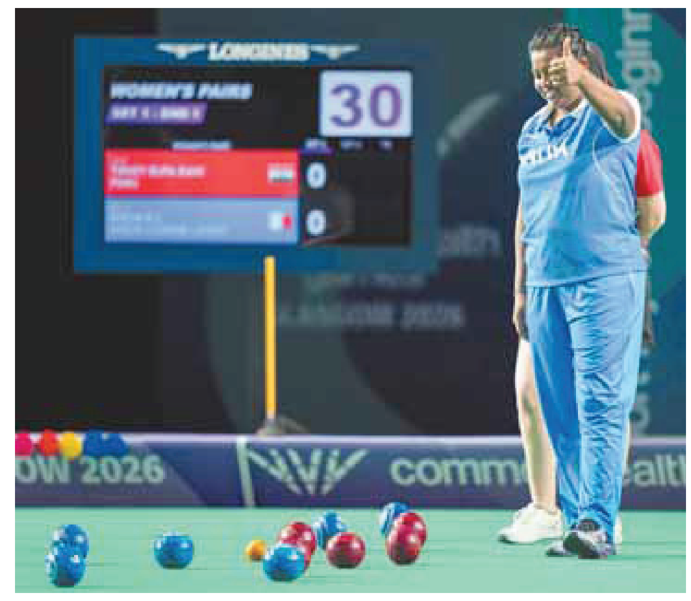


भारत ने ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में बृहस्पतिवार को महिला पेयर्स बॉल्स स्पर्धा में माल्टा को रोमांचक टाई-ब्रेक में हराकर अपने अभियान की जीत से शुरुआत की। भारत की रूपा रानी टिर्की (लीड) और पिंकी (स्किप) ने पहला सेट 7-1 से अपने नाम किया। हालांकि दूसरे सेट में उन्हें 3-4 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद ग्रुप बी के पहले दौर के मुकाबले का फैसला टाई-ब्रेक से हुआ। टाई-ब्रेक में भारतीय खिलाड़ियों ने दबाव के बीच शानदार संयम दिखाया। अंत में पिंकी ने अपनी आखिरी बॉल के साथ निर्णायक बढ़त दिलाते हुए भारत को जीत दिला दी।

**4 मैच प्वाइंट गंवाकर हारीं पीवी सिंधु, करीबी मुकाबले में राउंड ऑफ-16 से बाहर:** भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का बीडब्ल्यूएफ चाइना ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट में सफर खत्म हो गया। गुरुवार (23 जुलाई) को खेले गए महिला एकल के प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ-16) मुकाबले में सिंधु को चीन की चौथी वरीयता प्राप्त चेन यू फेई के खिलाफ बेहद करीबी मुकाबले में 21-16, 20-22, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह हार भारतीय स्टार के लिए इसलिए भी ज्यादा दर्दनाक रही क्योंकि दूसरे गेम में उनके पास चार मैच प्वाइंट थे।

**पहला गेम जीतकर बनाई मजबूत बढ़त:** मुकाबले की शुरुआत सिंधु ने शानदार अंदाज में की। उन्होंने आक्रामक खेल दिखाते हुए पहला गेम 21-16 से अपने नाम किया। उनकी लय और आत्मविश्वास को देखते हुए ऐसा लग रहा था कि वह लगातार दूसरी बार चेन यू फेई को हराने में सफल रहेंगी।

**चार मैच प्वाइंट गंवाकर पलट गया पूरा मुकाबला:** दूसरे गेम में भी सिंधु पूरी तरह मुकाबले पर हावी थीं। उन्होंने 20-16 की बढ़त बना ली थी और उनके पास लगातार चार मैच प्वाइंट थे। लेकिन यहीं से मुकाबले का रुख बदल गया।

## विश्व जूनियर स्क्वैश में अनाहत सिंह का जलवा

भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त युवा स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने कनाडा के ओंटारियो में खेले जा रहे वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश इंडिविजुअल चैंपियनशिप 2026 के महिला वर्ग के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। पिछले साल कांस्य पदक जीतने वाली अनाहत ने प्री-क्वार्टरफाइनल में मलेशिया की डॉयस ये सान ली को एकतरफा मुकाबले में हराकर खिताब की ओर मजबूत कदम बढ़ाया।

### प्री-क्वार्टरफाइनल में आसान जीत

टॉप सीड अनाहत सिंह ने 13/16वीं वरीयता प्राप्त मलेशियाई खिलाड़ी डॉयस ये सान ली को 11-4, 11-8, 11-3 से सीधे गेमों में हराया। भारतीय खिलाड़ी ने पूरे मुकाबले में शानदार नियंत्रण बनाए रखा और अपने प्रतिद्वंद्वी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

**अब मिस्र की हबीबा रिज्क से होगी भिड़ंत:** क्वार्टरफाइनल में अनाहत सिंह का सामना मिस्र की 5/8वीं वरीयता प्राप्त हबीबा रिज्क से होगा। हबीबा ने अमेरिका की शार्लोट स्जे को चार गेम तक चले मुकाबले में हराकर अंतिम-8 में जगह बनाई। मिस्र की खिलाड़ियों का जूनियर स्क्वैश में दबदबा रहा है, ऐसे में यह मुकाबला अनाहत के लिए बड़ी चुनौती माना जा रहा है।

## लवलीना ने राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का पहला पदक सुनिश्चित किया

लवलीना बोरगोहेन ने राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का पहला पदक सुनिश्चित कर दिया जब उन्हें महिलाओं के 75 किलो वर्ग के सेमीफाइनल में सीधे प्रवेश मिला जिससे कम से कम कांस्य पक्का हो गया। तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना को पांच मुक्केबाजों के ड्रॉ में पहले दौर में बाय मिला जिससे अंतिम चार में उनका प्रवेश तय हो गया। लवलीना का सामना 31 जुलाई को सेमीफाइनल में तुवालू की टीकेबीपी ताफाकी से होगा। यह 28 वर्ष की लवलीना का राष्ट्रमंडल खेलों में पहला पदक है। वह ओलंपिक, विश्व चैम्पियनशिप, एशियाई खेल और एशियाई चैम्पियनशिप पदक जीत चुकी हैं।

## भारत का जूडो खिलाड़ी डोप टेस्ट में फेल

**नई दिल्ली।** कॉमनवेल्थ गेम्स शुरू होने से ठीक पहले भारतीय जूडोका अरुण कुमार डोप टेस्ट में फेल हो गए हैं। वे 73 किलोग्राम वेट कैटेगरी में गोल्ड मेडल के दावेदार थे। उन्हें भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया है। जूडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मुकेश कुमार ने कहा कि अरुण से पदक की उम्मीद थी, लेकिन इतने कम समय में उनका विकल्प नहीं चुना जा सकता। मुकेश ने कहा- 'हमें बुधवार को नोटिस मिला है, जिसमें 15 दिन के भीतर जवाब देने को कहा गया है। उन्हें जवाब देने का मौका मिलेगा, लेकिन नियमों के तहत वह प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकते। इतने कम समय में किसी दूसरे खिलाड़ी को शामिल करना भी संभव नहीं है।

# रोहित और चिगुरपति की शानदार गेंदबाजी, भारतीय अंडर-19 टीम ने श्रीलंका को 211 रनों से हराया

एजेंसी, कोलंबो

रोहित यादव (4 विकेट) और चिगुरपति वेंकटा (3 विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय अंडर-19 टीम ने दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन गुरुवार को श्रीलंको 211 रनों से हरा दिया। श्रीलंका अंडर-19 टीम ने कल के चार विकेट पर 155 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में 176 रन के स्कोर पर श्रीलंका का पांचवां विकेट कप्तान विमत दिनसारा (64) रन के रूप में गिरा। उन्हें प्रणव राघवेंद्र ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कविजा गमागे ने पारी को संभालने का प्रयास किया। इसी दौरान 60वें ओवर की पहली गेंद पर रोहित यादव ने दुलनित सिगेरा (15) का शिकार कर लिया। इसी ओवर की चौथी गेंद पर यादव ने जेसन फ़र्नांडो (शून्य) का भी शिकार कर लिया। 72 ओवर में कविजा गमागे (36) को पगबाधा आउटकर पवेलियन भेज दिया।

## दिल्ली में भारत के ख़िलाफ़ टी20 सीरीज़ की मेज़बानी करेगा अफ़ग़ानिस्तान

**नई दिल्ली।** सितंबर में तीन मैचों की टी20 सीरीज़ के लिए अफ़ग़ानिस्तान, दिल्ली में भारत की मेज़बानी करेगा। यह पहली बार होगा कि जब अफ़ग़ानिस्तान किसी द्विपक्षीय सीरीज़ में भारत की भारत में ही मेज़बानी करेगा। यह सीरीज़ अफ़ग़ानिस्तान के भविष्य दौरा कार्यक्रम का हिस्सा है। ये तीनों मैच दिल्ली के अरूण जेटली स्टेडियम में 13, 15 और 17 सितंबर को खेले जाएंगे। यह पहली बार होगा कि जब दिल्ली में भारतीय टीम के तीन लगातार अंतरराष्ट्रीय मैच आयोजित किए जाएंगे। इससे पहले अहमदाबाद, पुणे और कोलकाता में भारत के तीन या तीन से अधिक लगातार अंतरराष्ट्रीय मैच एक ही मैदान पर आयोजित किए गए हैं।

# टीम इंडिया की स्पॉन्सरशिप हुई और महंगी बीसीसीआई ने 15% से ज्यादा बढ़ाई कीमत

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टीम इंडिया की टाइटल स्पॉन्सरशिप के लिए रिजर्व प्राइस में 15 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी कर दी है। नए कमर्शियल साइकिल (मार्च 2028 तक) के लिए बोर्ड ने इच्छुक कंपनियों से टेंडर आमंत्रित किए हैं। इस बार प्रति मैच आधार कीमत 4.9 करोड़ तय की गई है, जो पिछले चक्र में 4.2 करोड़ प्रति मैच थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह नया समझौता मार्च 2028 तक लागू रहेगा और इसमें करीब 35 अंतरराष्ट्रीय मैच शामिल होंगे। अगर इस दौरान अतिरिक्त मुकाबले जुड़े तो उनकी संख्या बढ़ सकती है।

apollo TYRES

### एसोसिएट स्पॉन्सरशिप भी हुई महंगी

बीसीसीआईन ने सिर्फ टाइटल स्पॉन्सरशिप ही नहीं, बल्कि एसोसिएट पार्टनरशिप की आधार कीमत भी बढ़ा दी है। पहले जहां प्रति मैच 82 लाख रिजर्व प्राइस थी, वहीं अब इसे बढ़ाकर 95 लाख प्रति मैच कर दिया गया है। अगर प्रस्तावित 35 मैचों को आधार माना जाए तो टीम इंडिया की टाइटल स्पॉन्सरशिप की कुल न्यूनतम कीमत लगभग 169 .8 करोड़ होगी। पिछले चक्र में IDFC First Bank ने 56 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए 235 .2 करोड़ की डील हासिल की थी। वहीं, प्रत्येक एसोसिएट स्पॉन्सर स्लॉट की कुल आधार कीमत लगभग 33 .3 करोड़ तय की गई है।

# दक्षिण अफ्रीका 20 का 5वां सीजन 17 जनवरी से शुरू होगा

एजेंसी, नई दिल्ली

साउथ अफ्रीका की प्रमुख टी-20 लीग एसए20 के पांचवें सीजन के शेड्यूल का ऐलान कर दिया गया है। टूर्नामेंट की शुरुआत 17 जनवरी से होगी। पहला मुकाबला गकेबरहा के सेंट जॉर्ज पार्क में डिफेंडिंग चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप और प्रिटोरिया कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला पिछले सीजन के फाइनल का री-मैच होगा, जहां दोनों टीमें आमने-सामने थीं। लीग कमिश्नर ग्रीम स्मिथ ने नए सीजन के शेड्यूल की घोषणा करते हुए कहा कि नए सीजन की शुरुआत उन्हीं दो टीमों के मुकाबले से करना सबसे मुफीद है। प्रिटोरिया कैपिटल्स ने अपने मैनेजमेंट और लीडरशिप में बदलाव किया है। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को टीम का नया हेड कोच बनाया गया है, जबकि साउथ अफ्रीकी स्पिनर केशव महाराज टीम की कप्तानी संभाल रहे हैं। शुरुआती दो सीजनों में पहले दौर से बाहर होने वाली प्रिटोरिया की टीम ने नई लीडरशिप में जबरदस्त वापसी की और पिछले सीजन में सीधे फाइनल तक का सफर तय किया। दूसरी तरफ, सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने कप्तान और खिलाड़ियों के बदलने के बावजूद अपना दबदबा बरकरार रखा है। हेड कोच एड्रियन बीरेल के मार्गदर्शन में टीम ने एक बार फिर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया था।

### आईपीएल मालिकों की 6 टीमें लेंगी हिस्सा; 21 फरवरी को फाइनल

6 टीमों के टूर्नामेंट में डरबन सुपर जायंट्स, जोबर्ग सुपर किंग्स, एमआई केपटाउन, प्रिटोरिया कैपिटल्स, पार्ल रॉयल्स और सनराइजर्स ईस्टर्न केप शामिल है। इन सभी फ्रेंचाइजी का मालिकाना हक पूरी तरह या आंशिक रूप से इंडियन प्रीमियर लीग की टीमों के मालिकों के पास ही है।

# द ओवल में खेला जाएगा 2027 डब्ल्यूटीसी फ़ाइनल

एजेंसी, नई दिल्ली

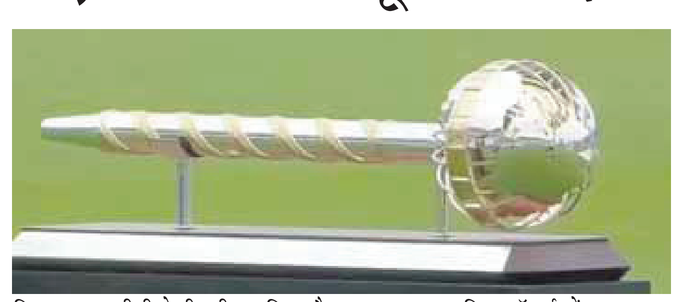

2027 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फ़ाइनल इंग्लैंड के द ओवल में खेला जाएगा। पिछले साल लॉर्ड्स में खेले गए फ़ाइनल की सफलता के बाद आईसीसी ने अगले तीन डब्ल्यूटीसी फ़ाइनल की मेज़बानी इंग्लैंड को सौंपी थी। हालांकि, अगले जून में यह मुक़ाबला द ओवल में खेला जाएगा, क्योंकि लॉर्ड्स ग्राउंड के मालिकाना समूह वाला मेरिलबोन क्रिकेट क्लब वहां की पिचों की गुणवत्ता सुधारने की कोशिश कर रहा है। ईसीबी ने आईसीसी के साथ हुए समझौते के तहत यह फ़ैसला लिया। इस फ़ैसले की एक बड़ी वजह लॉर्ड्स की पिचों की गुणवत्ता को लेकर चिंता भी रही है। पिछले महीने इंग्लैंड और न्यूज़ीलैंड के बीच खेले गए टेस्ट की पिच को असंतोषजनक क़रार देते हुए आईसीसी ने लॉर्ड्स की पिच को पहला डिमेरिट अंक दिया था। एमसीसी ने भी स्वीकार किया है कि इस समस्या का समाधान करना ज़रूरी है। डब्ल्यूटीसी फ़ाइनल को शुरुआत में अगले साल फिर से लॉर्ड्स में कराने की योजना थी, क्योंकि 2025 का फ़ाइनल काफ़ी सफल रहा था। हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा कभी नहीं हुई। एमसीसीको अब भी उम्मीद है कि भविष्य में यह मुक़ाबला फिर लॉर्ड्स में लौटेगा। सूत्रों के मुताबिक, अगर पिचों को दोबारा तैयार करने की योजना सफल रहती है, तो 2029 का फ़ाइनल फिर लॉर्ड्स में कराया जा सकता है। ईसीबी के इस फ़ैसले के पीछे कुछ और कारण भी बताए जा रहे हैं। इनमें डब्ल्यूटीसी फ़ाइनल (9 से 13 जून) और लॉर्ड्स के दूसरे ऐशेज़ टेस्ट (30 जून से 4 जुलाई) के बीच बहुत कम समय होना भी शामिल है। साथ ही, ग्रेटर लंदन में बड़ी बांग्लादेशी आबादी को देखते हुए ईसीबी का मानना था कि इंग्लैंड और बांग्लादेश के बीच 28 मई से 1 जून तक होने वाले एकमात्र टेस्ट के लिए लॉर्ड्स सबसे उपयुक्त स्थल होगा।

# भारत में ऐशेज़ टेस्ट के लिए 'तैयार' हैं सीए प्रमुख ग्रीनबर्ग

एजेंसी, नई दिल्ली

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया चीफ़ एक्सीक्यूटिव टॉड ग्रीनबर्ग भारत में ऐशेज़ टेस्ट की मेज़बानी की संभावना के लिए तैयार दिख रहे हैं। भारत के आकर्षक बाजार को देखते हुए वह इस पर विचार करने के लिए तैयार हैं। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच 1882 से ही ऐशेज़ खेली जा रही है और दोनों देशों में चार साल के अंतराल पर सीरीज़ का आयोजन होता है। हालिया सीरीज़ 2025-26 की सर्दियों में खेला गया था जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 4-1 से जीता था और अगला संस्करण 2027 इंग्लिश समर में खेला जाना है। अपनी पहली भिड़ंत की 150वीं सालगिरह को मनाने के लिए दोनों टीमें अगले साल मार्च में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में एक पिंक बॉल टेस्ट भी खेलने वाली हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही में बिग बैश लीग का ओपनिंग मैच भारत में आयोजित करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है और उसी संदर्भ में जब पूछा गया कि क्या इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की इस राइलवरी को भी भारत ले जाया जा सकता है तो ग्रीनबर्ग ने कहा कि इस पर विचार हो सकता है। ग्रीनबर्ग ने बीबीसी स्पोर्ट से कहा, "हमें सारे विकल्पों पर विचार करने के लिए खुला रहना होगा।

# बेटी से मिली प्रेरणा, पिता बने स्टेट चैंपियन अश्विन चौधरी ने जीता शूटिंग में स्वर्ण

खेल संवाददाता, भोपाल

इंदौर के एमराल्ड हाइट्स स्कूल में 14 से 23 जुलाई तक आयोजित 29वीं मध्यप्रदेश स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप (एयर इवेंट्स-एनआर) में भोपाल के राजा भोज शूटिंग क्लब के खिलाड़ी अश्विन चौधरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 मीटर एयर पिस्टल मास्टर मेन व्यक्तिगत वर्ग में 355/400 अंक हासिल कर स्वर्ण पदक जीता। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने प्री-नेशनल प्रतियोगिता के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। अश्विन चौधरी की सफलता की कहानी और भी प्रेरणादायक है। उन्होंने बताया कि उनकी 14 वर्षीय बेटी कनिष्का चौधरी अंतरराष्ट्रीय आईएसएसएफ स्तर की निशानेबाज हैं। बेटी की लगन और उपलब्धियों से प्रेरित होकर ही उन्होंने शूटिंग शुरू की। कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास के दम पर उन्होंने पहली ही राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतकर भोपाल का नाम रोशन किया। अश्विन ने कहा कि उनकी इस उपलब्धि का सबसे बड़ा श्रेय उनकी बेटी को जाता है, जिसने उन्हें इस खेल से जोड़ा। अब पिता-पुत्री की यह जोड़ी राष्ट्रीय स्तर पर भी बेहतर प्रदर्शन करने के लक्ष्य के साथ तैयारी में जुटी है।

## कानूनी राहत मिलने के बाद भारत लौटना चाहते हैं ललित मोदी

**नई दिल्ली।** साउथ अफ्रीका में हुए आईपीएल 2009 से जुड़े विदेशी मुद्रा मामले में बड़ी कानूनी राहत मिलने के बाद आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी, इस साल के आख़िर या अगले साल की शुरुआत में भारत आने की योजना बना रहे हैं। इस फ़ैसले को उन्होने 16 साल की लंबी कानूनी लड़ाई की जीत बताई। सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो संदेश में मोदी ने कहा कि अपीलीय न्यायाधिकरण के फ़ैसले ने आख़िरकार इस मामले में उनके रुख़ को सही साबित कर दिया है। मोदी ने कहा, "मैं इस फ़ैसले से बेहद ख़ुश हूं। आज का दिन मेरे लिए बहुत अच्छा रहा। 16 साल तक मैंने लड़ाई लड़ी और जो कुछ भी मैं मीडिया और सभी लोगों से कहता रहा, आख़िरकार वही सच साबित हुआ।

# शाहिदी के इस्तीफे के बाद रहमत शाह टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान बने

एजेंसी, नई दिल्ली

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हश्मतुल्लाह शाहिदी के इस्तीफे के बाद अनुभवी बल्लेबाज रहमत शाह को टेस्ट और वनडे टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है। रहमानुल्लाह गुरबाज दोनों फॉर्मेट में उपकप्तान होंगे। दोनों आयरलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज से नई जिम्मेदारी संभालेंगे। रहमत शाह 2021 से अफगानिस्तान की टेस्ट और वनडे टीम के उपकप्तान रहे हैं। एसीबी ने कहा कि रहमत का अनुभव, नेतृत्व क्षमता और टीम की गहरी समझ अफगानिस्तान क्रिकेट को आगे नई सफलताएं दिलाएगी। हश्मतुल्लाह शाहिदी को मई 2021 में कप्तान बनाया गया था। उनके नेतृत्व में अफगानिस्तान ने 55 वनडे में 27 जीत दर्ज की। 2023 वनडे विश्व कप में टीम ने इंग्लैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका और नीदरलैंड को हराकर छठा स्थान हासिल किया। इस प्रदर्शन के दम पर अफगानिस्तान ने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वालिफाई किया, जहां पहले ही अभियान में इंग्लैंड को हराकर पांचवें स्थान पर जगह बनाई। शाहिदी की कप्तानी में अफगानिस्तान पहली बार आईसीसी पुरुष वनडे टीम रैंकिंग में सातवें स्थान तक पहुंचा। टीम ने 2024-25 में लगातार पांच वनडे सीरीज जीतीं, जिनमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहली द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीत भी शामिल रही। बांग्लादेश के खिलाफ लगातार तीन वनडे सीरीज जीतना भी उनके कार्यकाल की बड़ी उपलब्धियों में रहा।

## डीएफए रायसेन अंडर-17 बालिका टीम ने यूथ लीग नेशनल के क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

**नारायणपुर (छत्तीसगढ़)।** नारायणपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित यूथ लीग नेशनल में डीएफए रायसेन (अंडर-17 बालिका टीम) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नॉकआउट चरण (क्वार्टर फाइनल) के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

### मैच परिणाम

**पहला मैच:** डीएफए रायसेन 2–3 जिंक एफसी (हार)

**दूसरा मैच:** डीएफए रायसेन 4–4 आरकेएमपी एस्पायर (ड्रॉ)

**तीसरा मैच:** डीएफए रायसेन 4–0 रूट्स एफसी (जीत) लगातार संघर्ष और शानदार टीम प्रदर्शन के दम पर डीएफए रायसेन ने 4–0 की शानदार जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। यह उपलब्धि खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और कोचिंग स्टाफ के मार्गदर्शन का परिणाम है। अब टीम की नजरें क्वार्टर फाइनल में जीत दर्ज कर आगे बढ़ने पर हैं।

# मंत्री और सांसद बनेंगे विशेष आमंत्रित सदस्य, फिर होगी कार्यसमिति बैठक

## जल्द की जाएगी विशेष आमंत्रित सदस्यों की नियुक्ति, अगस्त में प्रस्तावित है पहली बैठक

**भोपाल (नगर संवाददाता)**

मध्यप्रदेश भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व में होने वाली पहली प्रदेश कार्यसमिति बैठक अब विशेष आमंत्रित सदस्यों को शामिल करने के बाद अगस्त में आयोजित की जाएगी। दतिया विधानसभा उपचुनाव और विधानसभा के मानसून सत्र के चलते जुलाई में प्रस्तावित बैठक स्थगित कर दी गई थी। अब पार्टी इसे अधिक व्यापक स्वरूप देने की तैयारी में है, जिसके तहत मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, निगम-मंडल पदाधिकारियों तथा वरिष्ठ नेताओं को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया जाएगा।

भाजपा सूत्रों के अनुसार विशेष आमंत्रित सदस्यों की नियुक्ति विधानसभा के मानसून सत्र के बाद अब जल्द होगी। इसके बाद प्रदेश कार्यसमिति की बैठक की नई तिथि घोषित होगी। संभावना है कि विशेष आमंत्रित सदस्यों की संख्या 100 से अधिक होगी, जिससे संगठन की कई इकाइयों और सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो सके। प्रदेश भाजपा ने हाल ही में कई संगठनात्मक समितियों का गठन किया था, लेकिन इनमें कई मंत्री, सांसद, विधायक और निगम-मंडलों के पदाधिकारी शामिल नहीं हो पाए थे। संगठन

अब ऐसे सभी वरिष्ठ नेताओं को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में जोड़ने की तैयारी कर रहा है, ताकि संगठनात्मक बैठकों और निर्णय प्रक्रिया में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो सके। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद हेमंत खंडेलवाल की पहली प्रदेश कार्यसमिति बैठक 18 और 19 जुलाई को ओरछा में प्रस्तावित थी। दतिया विस उपचुनाव की घोषणा और विस के मानसून सत्र का कार्यक्रम तय होने से पार्टी नेतृत्व ने बैठक स्थगित करने का निर्णय लिया था। अब चुनावी व्यस्तताओं के समाप्त होने के बाद अगस्त में बैठक आयोजित करने की तैयारी है।

### प्रदेश भाजपा में पहले ही घोषित हो चुके हैं 106 कार्य समिति सदस्य

प्रदेश भाजपा पहले ही 106 सदस्यों वाली कार्यसमिति की घोषणा कर चुकी है। इसके अलावा 41 नेताओं को स्थायी आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। कार्यसमिति में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता शामिल हैं। पार्टी ने नई कार्यसमिति में करीब 35 महिला नेताओं को भी स्थान दिया है।

### चुनावी मैनेजमेंट पर फोकस रहेगी कार्य समिति

अगस्त में प्रस्तावित दो दिवसीय कार्यसमिति बैठक भाजपा के लिए संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बैठक में आगामी नगरीय निकाय चुनाव, पंचायत चुनाव और भविष्य की चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा होगी। इसके साथ ही बूथ सशक्तिकरण अभियान, संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान, प्रशिक्षण कार्यक्रम, जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति तथा सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय पर भी मंथन किया जाएगा। बैठक में प्रदेशभर से आए कार्यसमिति सदस्य और विशेष आमंत्रित सदस्य आगामी राजनीतिक चुनौतियों, संगठनात्मक कार्यक्रमों और चुनावी तैयारियों पर अपने सुझाव भी देंगे। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि मजबूत बूथ संगठन ही चुनावी सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। इसी कारण बैठक में बूथ प्रबंधन, पन्ना प्रमुख व्यवस्था, सक्रिय कार्यकर्ता नेटवर्क और जनसंपर्क अभियान को और प्रभावी बनाने पर विशेष जोर रहेगा।

# 25 जुलाई से हर 15 मिनट के अंतराल में मिलेगी मेट्रो

**भोपाल (नगर संवाददाता)**

भोपाल मेट्रो को सिग्नलिंग की हरी झंडी मिल गई है। अब 25 जुलाई से हर 15 मिनट के अंतराल में दोनों तरफ से मेट्रो का संचालन होगा। मेट्रो कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने बताया कि कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) ने गुरुवार को सुभाष नगर से एम्स स्टेशन तक दोनों ट्रैक पर सिग्नलिंग प्रणाली सहित नियमित मेट्रो चलाने के लिए जरूरी मंजूरी दे दी है। इसलिए अब नई टाईमिंग लागू की जा रही है। अब पीक आवर्स में हर 15 मिनट के अंतराल पर मेट्रो सेवा उपलब्ध होगी।

नई सिग्नलिंग प्रणाली के पूर्ण संचालन के साथ अब सुभाष नगर और एम्स स्टेशन के मध्य दोनों ट्रैक पर नियमित परिचालन हो सकेगा। इससे मेट्रो सेवाएं अधिक व्यवस्थित, सुरक्षित औरं समयबद्ध होंगी।

यह व्यवस्था भोपाल मेट्रो के परिचालन को विश्वस्तरीय तकनीक के अनुरूप और अधिक सक्षम बनाएगी। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 25 जुलाई से भोपाल मेट्रो की नई समय-सारणी लागू की जा रही है। नई व्यवस्था के अनुसार पीक आवर्स में यात्रियों को हर 15 मिनट और अन्य समय में हर 30 मिनट के अंतराल पर मेट्रो सेवा उपलब्ध होगी।

### मेट्रो का यह है नया शेड्यूल

पहली मेट्रो सुभाष नगर से एम्स के लिए सुबह 9 बजे रवाना होगी। वहीं एम्स से सुभाष नगर के लिए सुबह साढ़े 9 बजे। जबकि देर शाम सुभाष नगर से एम्स के लिए साढ़े 6 बजे और एम्स से सुभाष नगर शाम 7 बजे आखिरी मेट्रो चलेगी। इसी तरह पीक आवर्स सुबह 9 से साढ़े 10बजे और शाम साढ़े 5 से 7 बजे तक का तय किया गया है। इसमें हर 15 मिनट में मेट्रो चलेगी। वहीं दोपहर में हर 30 मिनट में मेट्रो चलेगी। इसमें रोजाना कुल 50 ट्रिप दोनों तरफ के रहेंगे।

### नए समय पर लोगों को होगा फायदा

नया शेड्यूल लागू होने के बाद सबसे ज्यादात फायदा एम्स आने वाले मरीजों और उनके परिजनों होगा। वहीं रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से यात्रा करने वाले यात्रियों सहित एमपी नगर स्थित कोचिंग सेंटरों में पढ़ने वाले बच्चों, वल्लभ भवन, एसबीआई बैंक, आरबीआई, प्राईवेट कंपनियों के कर्मचारियों और अप-डाउनर्स को सीधा फायदा होगा।

### प्रमोशन डिस्काउंट पॉलिसी भी है लागू

मेट्रो ने यात्रा करने वालों के लिए आकर्षक प्रमोशनल डिस्काउंट पॉलिसी भी लागू की है। इसके अंतर्गत रिटर्न जर्नी टिकट पर 5 प्रतिशत और ग्रुप टिकट पर 10 प्रतिशत की विशेष छूट दी जा रही है। इसके अलावा एमपीएमआरसीएल मोबाइल ऐप के माध्यम से ई-वॉलेट रिचार्ज करने वाले यात्रियों को रिचार्ज राशि के आधार पर 8 प्रतिशत से 15 प्रतिशत तक का बोनस राशि का लाभ मिलेगा।

### 96 फीसदी नियमित शिक्षक लगा रहे ई-अटेंडेंस

**भोपाल।** स्कूल शिक्षा विभाग के 96 फीसदी नियमित शिक्षक ई-अटेन्डेंस लगा रहे हैं। वही अतिथि शिक्षकों का ये आंकड़ा करीबन 95 फीसदी है। जहां नेटवर्क की कमी से ऑनलाइन उपस्थिति में कमी आ रही है, वहां उपस्थिति पंजी की वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। वर्तमान में जो 4-5 प्रतिशत का अंतर आ रहा है, वह इन्हीं क्षेत्रों का है। ये जानकारी खेल मंत्री विश्वास सारंग ने विधानसभा में ई-अटेंडेंस को लेकर विधायक सुनील उईके के पूछे गए प्रश्न के उत्तर में कही। चूंकि स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह सदन में उपस्थित नहीं थे। उनकी जगह खेल मंत्री विश्वास सारंग ने उत्तर दिया। सारंग ने दावा किया कि इस व्यवस्था से शिक्षकों की समयबद्धता सुनिश्चित हुई है और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आया है।

### एम्स भोपाल ने 350 लोगों को दिया सीपीआर प्रशिक्षण

**भोपाल।** आईएपी सीपीआर दिवस-2026 के अवसर पर एम्स भोपाल ने विद्यार्थियों, पैरामेडिकल कर्मियों, अस्पताल कर्मचारियों और आम नागरिकों के लिए व्यापक सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण अभियान चलाया। विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से कुल 350 प्रतिभागियों को कार्डियक अरेस्ट की स्थिति में तत्काल सहायता देने की व्यावहारिक जानकारी और प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अभियान के तहत होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में आम नागरिकों को बाईस्टैंडर सीपीआर, कार्डियक अरेस्ट की शीघ्र पहचान और गोल्डन मिनट्स के महत्व की जानकारी दी गई। वहीं सिल्वर बेल्स स्कूल में 300 विद्यार्थियों को लाइव डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से

[ चिंता की बात ] सीटें हैं, विद्यार्थी नहीं... प्रवेश के लिए जूझ रहे कॉलेज

# मनुहार के बाद भी नहीं भर रहीं कॉलेजों की सीटें, 2.85 लाख प्रवेश अब भी बाकी

**भोपाल (नगर संवाददाता)**

नए शैक्षणिक सत्र में प्रदेश के कॉलेजों को विद्यार्थियों के नामांकन के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि कई कॉलेजों को अब विभिन्न माध्यमों से विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से संपर्क कर प्रवेश के लिए मनुहार करनी पड़ रही है। दूसरे और अंतिम चरण की प्रवेश प्रक्रिया समाप्त होने में केवल एक सप्ताह शेष है, लेकिन इसके बावजूद स्नातक और स्नातकोत्तर की करीब 2.85 लाख सीटें अब भी खाली हैं। पिछले दो-तीन दिनों में तो शहरी क्षेत्रों के कई कॉलेजों में नामांकन के लिए नए विद्यार्थी लगभग नहीं पहुंच रहे हैं।

कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया 15 मई से शुरू हुई थी। 22 जुलाई तक की स्थिति के अनुसार प्रदेश के 550 सरकारी और 800 निजी कॉलेजों में कुल मिलाकर लगभग साढ़े आठ लाख सीटें उपलब्ध हैं। इनमें अब तक केवल करीब साढ़े पांच लाख सीटों पर ही प्रवेश हो सका है। इनमें भी स्नातक प्रथम वर्ष में लगभग चार लाख छात्र-छात्राओं ने दाखिला लिया है। शेष सीटों के लिए अब भी पर्याप्त संख्या में विद्यार्थी नहीं मिल रहे हैं, जिससे कॉलेज प्रबंधन की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है।

मध्य प्रदेश के सरकारी कॉलेजों और निजी कॉलेजों में कॉलेज लेवल राउंड के दूसरे चरण के बाद भी विज्ञान, कला और वाणिज्य संकाय की खाली साढ़े तीन लाख में से लगभग 60-65 हजार सीटें ही भर पाई है। हालांकि अभी रिक्त सीटों के लिए 31 जुलाई प्रवेश की अंतिम तिथि है। शेष बचे समय में भी इन सीटों की भरने की संभावना न के बराबर है। हालांकि कॉलेज प्रबंधकों को उम्मीद है कि उच्च शिक्षा विभाग अब अगस्त-सितंबर तक प्रवेश तिथि बढ़ा सकता है। उधर जिन कक्षाओं में प्रवेश पूर्ण हो गए हैं, उनकी कक्षाएं शुरू हो चुकी है।

## सरकारी और निजी दोनों तरह के कॉलेजों को सीटें खाली

### एक्सपर्ट व्यू: प्रोफेशनल और तकनीकी कोर्स में अधिक रूचि

प्रोफेसर डॉ कैलाश त्यागी के अनुसार छात्र बीए या बीएससी जैसे सामान्य कोर्सेज की बजाय प्रोफेशनल और तकनीकी पाठ्यक्रमों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इसके अलावा कॉलेज चॉइस और सीटें आरक्षित होने की सटीक जानकारी न होने से भी प्रवेश छात्र नहीं ले पाता है। उन्होंने कहा कि राजधानी सहित पूरे प्रदेश में विभिन्न चरणों और सीएलसी राउंड बीत जाने के बाद कई जगह स्थिति ये है कि अकेले एक-एक कॉलेज में स्नातक और स्नातकोत्तर की सैंकड़ों सीटें रिक्त रह गईं। इसके अलावा एक बड़ा कारण ई- उपस्थिति है, जिसमें छात्रों की रूझान निजी कॉलेज है, जहां 75 फीसदी ई- उपस्थिति समायोजन हो जाता है, जबकि सरकारी कॉलेजों में यह संभव नहीं हो पाता है।

### बता दें कि बड़े शहरों की कॉलेजों में सीटें खाली

तुलनात्मक रूप से देखी जाए, तो बड़े चार शहरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर में लगभग 60 फीसदी सरकारी कॉलेजों में सीटें खाली है, वही इन शहरों की निजी कॉलेजों में करीबन 40 फीसदी सीटें खाली है। कॉलेज प्रबंधन के अनुसार शहरी छात्र 12 वीं पास करने के बाद आईआईटी, नीट या अन्य कोचिंग संस्थानों में पढ़ने चले जाते हैं। इस वजह से भी सीटें खाली रह गई है।

### कस्बों के कॉलेजों में प्रवेश में दिखी रूचि

शासकीय कन्या महाविद्यालय इटारसी के प्रवेश प्रभारी प्रोफेसर डॉ संजय आर्य का मानना है कि बड़े शहरों की तुलना में तहसील स्तर के सरकारी कॉलेजों में आसपास के गॉवों के छात्र- छात्राओं ने अधिक रूचि दिखाई है। चूंकि यहां निजी कॉलेज भी है, लेकिन शायद उनकी फीस अधिक होने के कारण छात्र वहां जाना नहीं पसंद कर रहे हैं। हालांकि हमारे कॉलेज में भी 15 जुलाई के बाद तारीख बढ़ने के बाद 10 प्रतिशत ही सींटे भर पाई है। चूंकि प्रवेश की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। इसलिए हम बची सीटों के लिए उम्मीद लगा रखी है।

**विधानसभा में खुलासा:** 23,261 आवेदनों में से केवल 3,018 पर हुई प्रारंभिक कार्रवाई

- ईओडब्ल्यू में छह साल में पहुंचीं 23 हजार शिकायतें, अदालत तक पहुंचे सिर्फ 8 मामले
- 756 शिकायतें जांच के बाद बंद, भ्रष्टाचार मामलों की धीमी रफ्तार पर उठे सवाल

**भोपाल (नगर संवाददाता)**

मध्यप्रदेश में भ्रष्टाचार और आर्थिक अनियमितताओं की जांच करने वाली आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) की कार्यप्रणाली को लेकर विधानसभा में सामने आए आंकड़ों ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। वर्ष 2020 से जून 2026 तक करीब साढ़े छह साल में ईओडब्ल्यू को 23 हजार 261 शिकायतें मिलीं, लेकिन इनमें से न्यायालय तक चालान पहुंचने वाले मामलों की संख्या बेहद कम रही। विधानसभा में कांग्रेस विधायक प्रताप ग्रेवाल के सवाल के जवाब में सरकार की ओर से प्रस्तुत जानकारी में यह खुलासा हुआ है।

**सिर्फ 3 हजार मामलों में आगे बढ़ी जांच**-आंकड़ों के अनुसार ईओडब्ल्यू को मिले कुल आवेदनों में से केवल 3 हजार 18 शिकायतों को जांच के लिए दर्ज किया गया। वहीं जांच के बाद 756 प्रकरणों को नस्तीबद्ध कर फाइल बंद कर दी गई। भ्रष्टाचार और वित्तीय गड़बड़ी से जुड़े मामलों में एफआईआर दर्ज करने और अदालत में चालान पेश करने की धीमी गति को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

### छह साल में सिर्फ आठ मामलों में पेश हुआ चालान

सरकारी जानकारी के अनुसार वर्ष 2020 से जून 2026 तक ईओडब्ल्यू ने केवल आठ मामलों में न्यायालय के समक्ष चालान पेश किया। इनमें इंदौर नगर निगम जल कार्य विभाग में फर्जी बिल और वित्तीय अनियमितताओं का मामला, सतना स्वास्थ्य एवं निर्माण कार्यों में गड़बड़ी, भोपाल में शासकीय भूमि के फर्जी दस्तावेज तैयार करने का प्रकरण, जबलपुर विकास प्राधिकरण की वित्तीय अनियमितता और ग्वालियर गृह निर्माण समिति धोखाधड़ी जैसे मामले शामिल हैं। इसके अलावा भोपाल सहकारिता एवं पद दुरुपयोग मामला, उज्जैन धार्मिक-सांस्कृतिक निर्माण कार्यों में अनियमितता और रीवा नगर निगम ठेकेदारी गड़बड़ी के मामलों में भी जांच पूरी कर न्यायालय में अभियोजन प्रस्तुत किया गया।

**साइबर ठगी** जालसाजों के नए-नए पैतरे, अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दर्ज हुए तीन मामले

# टॉस्क पूरा करने, ऑनलाइन शॉपिंग और फर्जी UPI से 80 हजार रुपए से अधिक की ठगी

**1930 हेल्पलाइन और एनसीसीआरपी पोर्टल पर भी की गई शिकायत, पुलिस जांच में जुटी**

**भोपाल (नगर संवाददाता)**

साइबर ठग लगातार नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को निशाना बना रहे हैं। ऐशबाग, टीला जमालपुरा और कोहेफिजा थाना क्षेत्र में सामने आए तीन अलग-अलग मामलों में बदमाशों ने टास्क पूरा करने पर इनाम, ऑनलाइन ड्राई फ्रूट की डिलीवरी और फर्जी यूपीआई ट्रांजेक्शन के जरिए तीन लोगों से 80 हजार रुपए से अधिक की धोखाधड़ी कर ली।

### टेलीग्राम पर ट्रेनिंग और प्रीमियम टास्क पूरा करने का बोलकर रकम ठगी

ऐशबाग के मोहम्मद उमर खान को 15 जुलाई को व्हाट्सएप पर एक ग्रुप में जोड़कर टास्क पूरा करने पर इनाम का लालच दिया गया। शुरुआत में उन्हें छोटे टास्क पूरे कराने के बाद 200 रुपए और अन्य रिवार्ड दिए और भरोसा जीता। इसके बाद टेलीग्राम पर जोड़कर ट्रेनिंग व प्रीमियम टास्क के नाम अलग-अलग यूपीआई आईडी पर रकम जमा कराई। उमर ने 25,800 रुपए भेजे, जिनमें 8 हजार रुपए वापस मिले,जबकि 17,800 रुपए की ठगी हो गई।

### डिलीवरी एजेंट ने व्हाट्सएप कॉल पर पता ट्रेस नहीं होने का बहाना बनाया

टीला जमालपुरा निवासी अधिवक्ता संजय कुमार दुबे ऑनलाइन ड्राई फ्रूट खरीदने के दौरान साइबर ठगी का शिकार हो गए। उन्होंने 18 जुलाई को 1,150 रुपए का ऑनलाइन ऑर्डर किया था। दो दिन बाद डिलीवरी एजेंट ने व्हाट्सएप कॉल कर पता ट्रेस नहीं होने का बहाना बनाया और गूगल पे पर कुछ प्रक्रिया करने के लिए कहा। इस दौरान उनके खाते से पहले 2,500 रुपए और फिर 21,150 रुपए ट्रांसफर हो गए। इस तरह आरोपी ने 24,800 रुपए की धोखाधड़ी कर ली। घटना के बाद पीड़ित ने बैंक पहुंचकर अपना खाता बंद कराया।

### यूपीआई से कटी रकम जबकि कभी यूपीआई उपयोग नहीं किया

कोहेफिजा के 75 वर्षीय सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी प्रकाश चंद्र जैन के बैंक ऑफ बड़ौदा खाते से बिना जानकारी के यूपीआई से 38,070 रुपए निकाल लिए। पीड़ित के मोबाइल पर खाते से 37,500 रुपए और बाद में 190-190 रुपए कटने के मैसेज आए। बैंक पहुंचने पर उन्हें पता चला कि उनके खाते से यूपीआई के जरिए लेनदेन हुआ है, जबकि उन्होंने कभी यूपीआई या नेट बैंकिंग का उपयोग ही नहीं किया। इसके बाद उन्होंने एनसीसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अज्ञात आरोपी की तलाश में जुटी है।

**सलाह** - साइबर अपराधी पहले लोगों का विश्वास जीतते है और फिर लालच या तकनीकी बहाने से रकम ट्रांसफर करा लेते हैं। ऐसे मामलों में किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, स्क्रीन शेयर या रिमोट एक्सेस ऐप डाउनलोड न करें और किसी भी अज्ञात व्यक्ति के कहने पर यूपीआई के जरिए भुगतान या ओटीपी साझा न करें।

# रंजिश में बदमाश ने ऑटो चालक पर किया हमला

**भोपाल (नगर संवाददाता)**

पुरानी रंजिश में एक बदमाश ने पूर्व परिचित पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। घटना तलैया थाना क्षेत्र स्थित बुधवारा चौराहे की है। बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात आमना-सामना होने पर विवाद हुआ और आरोपी चाकू से हमला कर फरार हो गया। फरियादी की पीठ व हाथों में गंभीर चोट आई हैं। डी-मार्ट के पास जहांगीराबाद के सलमान खान (31) ऑटो चालक है। पूर्व में वह आरोपी अनस अंसारी के मकान में किराए से रहता था। उसी दौरान किसी बात पर दोनों में विवाद हो गया। तभी से उनमें रंजिश चल रही थी।

### चौकी के पास बुधवारा चौराहे की घटना

बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात करीब साढ़े 12 बजे चौकी के पास बुधवारा चौराहे पर दोनों का आमना-सामना हो गया। पुराने विवाद पर अनस अंसारी ने सलमान पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस ने बताया फरियादी ने अपने हाथों से चाकू के वार बचाए अन्यथा गंभीर चोट लग सकती थी। आरोपी अनस अंसारी के खिलाफ पूर्व में दो अपराध पंजीबद्ध हैं। उसकी तलाश की जा रही है।

# भारत गौरव पर्यटक ट्रेन तीर्थ यात्रियों को कराएगी यात्रा

**भोपाल।** मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों को देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कराने के उद्देश्य से इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। यह विशेष पर्यटक ट्रेन 15 सितंबर को इंदौर से पुरी, गंगासागर के साथ गया, वाराणसी एवं रामलला दर्शन यात्रा के लिए रवाना होगी। यह भारत गौरव पर्यटक ट्रेन मध्यप्रदेश के प्रमुख स्टेशनों इंदौर, उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, रानी कमलापति, इटारसी, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी एवं अनूपपुर होते हुए संचालित होगी, जहां से यात्री इस ट्रेन में सवार हो सकेंगे। 10 रातें एवं 11 दिनों की इस धार्मिक यात्रा के दौरान यात्रियों को पुरी, गंगासागर, गया, वाराणसी एवं अयोध्या रामलला दर्शन समेत प्रमुख तीर्थ स्थलों एवं दर्शनीय स्थानों का भ्रमण कराया जाएगा। आईआरसीटीसी द्वारा यह सर्व समावेशी टूर पैकेज उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसमें भारत गौरव ट्रेन के विशेष एलएचबी रेक द्वारा आरामदायक रेल यात्रा, यात्रा के दौरान एवं यात्रा स्थल पर भोजन व्यवस्था, गुणवत्तापूर्ण बसों द्वारा सड़क परिवहन एवं दर्शनीय स्थलों का भ्रमण, निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आवास व्यवस्था, टूर एस्कॉर्ट की सुविधा, यात्रा बीमा, ऑन-बोर्ड सुरक्षा एवं हाउसकीपिंग सेवाएं शामिल हैं।

स्वामी, मुद्रण, प्रकाशक एवं संपादक **आशीष दुबे** द्वारा सांई प्रिंटर्स, म. नं. 91, शाप नं. 3, जिन्सी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित एवं टी-2, बालाजी टावर, मधुवन बिहार कालोनी मिसरोद भोपाल से प्रकाशित। समस्त विवादों का न्यायालय भोपाल रहेगा।